अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–202 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 21 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

दरिंदे अब भी गिरफ्त से दूर, कई संदिग्ध उठाए गए

बहराइच। जरवलरोड थाना क्षेत्र निवासी युवती का अपहरण व सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस अब भी खाली हाथ है। युवती मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। पुलिस सीसीटीवी व सर्विलांस की मदद से संदिग्धों को पकड़ कर पूछताछ में जुटी है। पुलिस टीम ने लखनऊ, बाराबंकी, कैसरगंज, जरवलरोड आदि जगहों के सीसीटीवी भी खंगाले हैं। 100 से अधिक मोबाइलों को चिह्नित कर जांच कर रही है। जरवलरोड निवासी एक युवती घर के लिए निकली थी। उसके बाद उसका अपहरण हो गया था। चार से पांच घंटे तक उसके साथ दरिंदगी हुई। युवती के निजी अंगों से भारी रक्तस्त्राव देख दरिंदे उसे रोडवेज पर छोड़ फरार हो गए थे। इसके बाद से युवती का इलाज जारी है। अब युवती की हालत में सुधार बताया जा रहा है। घटना के चार दिन बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक दुष्कर्मियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की आठ टीमें बहराइच शहर से लेकर लखनऊ तक जांच कर रही हैं। एक दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बावजूद इसके अब भी वास्तविक अपराधी खुली हवा में घूम रहे हैं।

यूपी 112 के द्वितीय चरण के लिए २ अरब 39 करोड़ 43 लाख रूपये से अधिक की ध नराशि जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार यूपी 112 के द्वितीय चरण हेतु 2 अरब 39 करोड़ 43 लाख रूपये से अधिक की धनराशि निर्गत कर दी गयी है। प्रमुख सचिव गृह ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस आधुनिकीकरण के तहत यूपी 112 के द्वितीय चरण के सिस्टम इन्टीग्रेटेर हेतु 2 अरब 39 करोड़ 43 लाख रूपये से अधिक की धनराशि के आदेश निर्गत कर दिये गये है। इसके अलावा जनपद बाराबंकी के थाना बड़ूपुर में 48 क्षमता के हास्टल,बैरक एवं 01 विवेचना कक्ष के निर्माण हेतु 1 करोड़ 13 लाख 18 हजार रूपये व 10वी वाहिनी पीएसी बाराबंकी में 200 व्यक्तियों की क्षमता की बैरक के निर्माण कार्य हेतु 59 लाख 49 हजार रूपये की धनराशि निर्गत कर दी गयी है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वीकृत भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित मानक एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराने के निर्देश दिये गये है। यह भी निर्देश दिये है कि निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के अन्दर पूर्ण कराया जाय ताकि यथाशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के फलस्वरूप निर्मित भवनो का बेहतर उपयोग हो सके। निर्माण कार्य में गुणवत्ता आदि की कमी पाये जाने पर संबंधित दोषी कर्मियों को दण्डित किए जाने के भी निर्देश दिए गए है।

गोपाष्टमी पर्व पर योगी व अखिलेश ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोपाष्टमी के पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। सीएम ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए गोमाता और गोवंशों की सेवा तथा उनके संरक्षण के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने पर लिखा ''भारत की आस्था और अर्थव्यवस्था की धुरी, आध्यात्मिक–सांस्कृतिक उन्नति की आधार, सर्वसुखदायिनी गोमाता की आराधना के पर्व गोपाष्टमी पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! आइये,

इस पावन अवसर पर गोमाता और गोवंशों की सेवा व उनके संरक्षण के लिए संकल्पित हों। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 'गोपाष्टमी के पावन पर्व पर भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करे कि गोमाता सहित समस्त गोवंश उनके राज में सड़कों पर न भटकें और वाहनों आदि से टकरा कर घायल न हों। उन्होंने कहा, भाजपा के राज में छुट्टा पशुओं और महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व अपराध में एक सीधा संबंध है। ये सब बेतहाशा बढ़ रहे हैं और इन सबके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार भी है और बेपरवाह भी है। ये 'पांच समस्याएं विकराल रूप धारण कर रही हैं और भाजपा सरकार प्रचार के नाम पर केवल अखबारों या होर्डिंग की तस्वीरों में ही सिमटकर रह गयी है। वह कहीं नजर नहीं आ रही है।

हाईकोर्ट की डबल बेंच में हुई शिक्षक भर्ती के मामले की सुनवाई

चार दिसंबर को लगी अगली तारीख

लखनऊ। 69000 सहायक शिक्षक भर्ती में 19000 सीटों पर हुए आरक्षण घोटाले को लेकर लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच में जस्टिस विवेक चौधरी एवं जस्टिस मनीष कुमार ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि आखिर कोर्ट में हमारे पास न्याय मांगने के लिए आए आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को सरकार द्वारा अभी तक न्याय क्यों नहीं दिया गया और आप कोर्ट में न्याय मांगने के लिए आए हुए आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को न्याय देने के लिए क्या कर रहे हैं और अभी तक लखनऊ हाई कोर्ट सिंगल बेंच के 13 मार्च के दिए गए आदेश के अनुसार सरकार ने इस भर्ती की लिस्ट को आरक्षण ठीक करके मूल चयन सूची के रूप में अभी तक क्यों नहीं बनाई। यदि हाईकोर्ट सिंगल बेंच का आदेश आपके अनुकूल नहीं था तो हाई कोर्ट सिंगल बेंच के आदेश को स्पेशल अपील के तहत डबल बेंच में चलेंज क्यों नहीं किया। सुनवाई के दौरान जब जस्टिस विवेक चौधरी एवं जस्टिस मनीष कुमार को सरकार की तरफ से कोई उचित जवाब नहीं मिला तो कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया कि अब आपको जो भी कुछ कहना सुनना है अब आप 30 नवंबर तक कोर्ट में एफिडेविट पेश करके अपना जबाब लिखित में दे दीजिए क्योंकि अब हम कोर्ट में आए हुए आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों के साथ न्याय करेंगे क्योंकि यह अभ्यर्थी पिछले 3 साल से कोर्ट में याची बनकर अपने न्याय के लिए लड़ रहे हैं। आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को जल्द न्याय मिले इसके लिए प्रयासरत है और हम इस केस को 4 दिसंबर से प्रत्येक दिन लगातार सुनकर इस मामले का निस्तारण करेंगे और कोर्ट ने अगली सुनवाई

तिथि 4 दिसंबर लगा दी। वहीं दूसरी तरफ हाई कोर्ट में आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों की तरफ से उनका पक्ष रखने के लिए पेश हुए सीनियर अधिवक्ता ने कोर्ट को अवगत कराया कि इस भर्ती में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी की जगह मात्र 3.86 फीसदी तथा एससी वर्ग को 21 फीसदी की जगह मात्र 16.2 फीसदी आरक्षण दिया गया है और इस प्रकार इस भर्ती में बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 तथा आरक्षण नियमावली 1994 का घोर उल्लंघन कर आरक्षित वर्ग की लगभग 19000 सीटों पर आरक्षण घोटाला करके आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को इस भर्ती की चयन प्रक्रिया में चयनित होने से रोक दिया गया तथा इनकी जगह ऐसे 19000 अभ्यर्थियों को चयनित कर दिया गया जिन्हें इस भर्ती प्रक्रिया में चयनित होना ही नहीं चाहिए था। इन्होंने कोर्ट को अवगत कराया कि प्रत्येक भर्ती की एक मूल चयन सूची बनाई जाती है जिसमें अभ्यर्थियों के गुणांक, कैटागिरी, सब कैटिगरी आदि को दर्शाया जाता है लेकिन यहां इस भर्ती की मूल चयन सूची आज तक नहीं बनाई गई है और जो सूची 1 जून 2020 को प्रकाशित की गई उसमें अभ्यर्थियों के गुणांक, कैटागिरी, सब कैटिगरी आदि को नहीं दर्शाया गया। आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थी वर्ष 2020 से न्याय पाने के लिए कोर्ट में याची बनकर न्याय के लिए लड़ रहे हैं लेकिन इन्हे अभी तक न्याय नहीं मिला है ऐसी स्थिति में इस केस को अगली सभी सुनवाई में टॉप 10 में रखा जाए जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

छठव्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का किया समापन

बिहार। लोक आस्था के महापर्व छठ का अंतिम दिन। छठव्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का किया समापन। घाटों पर दिखी छठव्रती महिलाओं की भारी भीड़। देर रात से ही जुटने लगे थे लोग। गोरखपुर में भी महिलाओं ने भी सूर्य को दिया अर्घ्य। अपनी संतानों की मांगी लंबी उम्र की कामना। लखनऊ में भी श्रद्धालुओं ने दिया सूर्य को अर्घ्य। व्रती महिलाएं कच्चे दूध, जल और प्रसाद खाकर अपने व्रत का करती हैं पारण।

मिशन 2024: भाजपा ने बदले कई जिलों के प्रभारी

लोकसभा चुनाव खातिर बूथ कमेटियों का होगा गठन–भूपेन्द्र

लखनऊ। पांच राज्यों के असेम्बली इलेक्शन के बाद भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। आज लखनऊ में पार्टी के सूबाई मुख्यालय में प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक हुई जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कई जिलों के प्रभारी बदले गए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के मुताबिक अवध क्षेत्र में प्रदेश महामंत्री संजय राय, काशी क्षेत्र में अमरपाल मौर्य, गोरखपुर क्षेत्र में गोविंद नारायण शुक्ल, कानपुर क्षेत्र में अनूप गुप्ता, पश्चिम क्षेत्र में सुभाष यदुवंश और ब्रज क्षेत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह को प्रभारी नियुक्त किया है। सभी 98 संगठनात्मक जिलों में भी प्रभारी बदले गए हैं। श्री चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कार्यालय में हुई जिलाध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारी की बैठक में लोकसभा और विधानसभा चुनाव संचालन समिति गठन का निर्णय लिया गया है। लोकसभा चुनाव के लिए बूथ कमेटी का गठन किया जाएगा। भाजपा के नए जिला प्रभारी क्रमशः आगरा महानगर धर्मेंद्र सिंह, आगरा जिला अमित बाल्मिकी, मथुरा महानगर,जिला अशोक कटारिया, फिरोजाबाद

महानगर,जिला ब्रजबहादुर एटा, हर्षवर्धन शर्मा अलीगढ़, जिला मानवेंद्र सिंह लोधी अलीगढ़ महानगर, श्रीचंद्र शर्मा एमएलसी, हाथरस डी पी भारती, मैनपुरी अनिल चौधरी कासगंज, पूनम बजाज बरेली, महानगर मोहित बेनीवाल, बरेली जिला देवेंद्र चौधरी, आवला दोदराम कुशवाहा, शाहजहांपुर महानगर जिला सुरेश राणा, पीलीभीत गुलशन आनंद और बदायूं जिला प्रभार दिनेश कुमार शर्मा को नियुक्त किया गया है। वहीं कन्नौज इंद्रपाल पटेल, औरैया आनद सिंह, कानपुर देहात अशोक राजपूत, कानपुर ग्रामीण राधेश्याम पांडेय, कानपुर दक्षिण ,उत्तर पंकज सिंह, फतेहपुर रंजना उपाध्याय, जालौन अशोक जाखरी, झांसी ग्रामीण सतविलास शिवहरे, ललितपुर सुरेश अवस्थी, हमीरपुर देवेश कोरी, फर्रुखाबाद शिव महेश दुबे, महोबा संजीव, बांदा रामकिशोर साहू, चित्रकूट अनिल यादव और इटावा कमलावती सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। रामपुर राजा वर्मा, मुरादाबाद जिला,महानगर राजेश यादव, शामली विकास अग्रवाल, अमरोहा सत्यपाल पाल, बिजनौर हरिओम शर्मा, सहारनपुर वाई पी सिंह, सहारनपुर जिला डी के शर्मा, मुज्जफरनगर सूर्यप्रकाश पाल, मेरठ महानगर विजय शिवहरे, मेरठ जिला मयंक गोयल, गाजियाबाद महानगर,जिला मानवेंद्र सिंह एमएलसी, हापुड़ सत्यपाल सैनी, नोएडा महानगर कांता कर्दम, गौतमबुद्ध नगर प्रमोद गुप्ता, बागपत चंद्र मोहन, संभल हेमंत राजपूत, बुलंदशहर बसंत त्यागी।गोरखपुर महानगर, जिला सलिल विश्नोई, संतकबीरनगर अजय सिंह गौतम, बस्ती समीर सिंह, सिद्धार्थनगर हरिचरण कुशवाहा, महाराजगंज राम जियावन मौर्य, देवरिया संतराज यादव, कुशीनगर शकुंतला चौहान, आजमगढ़ घनश्याम चौहान, लालगंज मेहरू राजभर, मऊ आनंद शुक्ला और बलिया नीलम सोनकर को दायित्व सौंपा गया है।

मुद्रा योजना के सहयोग से माइक्रोफाइनैन्स सेक्टर प्रदेश की एक खरब डॉलर इकॉनमी मे सहयोग करेगा

उपमा ने धूमधाम से मनाया अपना 10वां स्थापना दिवस

लखनऊ। माइक्रो फाइनैन्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) द्वारा लखनऊ के स्थानीय होटल ताज महल मे माइक्रो फाइनैन्स संस्थाओं का भव्य वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन का मुख्य विषय था माइक्रो फाइनैन्स द्वारा उत्तर प्रदेश की एक खरब डॉलर अर्थ व्यवस्था (वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी) मे अपना योगदान सुनिश्चित करना। आज के समारोह के मुख्य अतिथि कुँवर ब्रजेश सिंह माननीय राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरियेअधिवेशन का उद्घाटन किया तथा माइक्रो फाइनैन्स संस्थाओं द्वारा दिए जा रहे सहयोग और उनके योगदान द्वारा महिलाओं के जीवन स्तर मे हो रहे सुधार पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि उपमा संस्था ने एक ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर सम्मलेन आयोजित किया है जो कि राज्य सरकार कि पहली प्राथमिकता है, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और उत्तर प्रदेश शासन के वरिष्ठ लोकसेवक रहे श्री नवनीत सहगल ने कहा कि सम्मलेन में परिचर्चा के उपरांत एक ऐसी कार्य योजना बनेगी जो राज्य के विकास मे सहयोगी होगी तथा एक खरब डॉलर अर्थ व्यवस्था के लक्ष्य को पूर्ण करने में एक अहम् भूमिका निभायेगी। आज के समारोह के मुख्य वक्ता एच आर खान पूर्व डिप्टी गवर्नर भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि रिजर्व बैंक के नए नियमों से माइक्रो फाइनैन्स के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं को अपने ऋण पोर्टफोलियो को

बढ़ाने मे मदद मिलेगी साथ ही अपने ग्राहकों को और अधिक राशि ऋण के रूप मे उपलब्ध करा सकेंगी। उन्होंने आगे कहा कि किस तरह से माइक्रोफाइनांस राज्य की अर्थ व्यवस्था में तथा ग्रामीण क्षेत्र मे रोजगार सृजन कर बेरोजगारी की समस्या को दूर करने मे सहयोग प्रदान कर सकता है। इस अवसर पर सिड्बी के डीएमडी श्री प्रकाश कुमार तथा आरबीआई के रीजनल डायरेक्टर डॉ बालू केनचप्पा ने भी अपने अपने विचार रखे। सिड्बी के तहत नाबार्ड माइक्रो फाइनैन्स संस्थाओं को समाज के कमजोर वर्ग के लिए रोजगार परक ऋण उपलब्ध करने मे आर्थिक मदद करता है।उपमा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर सिन्हा ने बताया कि माइक्रोफाइनेंस जिसे माइक्रो क्रेडिट भी कहा जाता है, एक प्रकार की बैंकिंग सेवा है जो कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को प्रदान की जाती है माइक्रो फाइनैन्स एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) पदेश मे माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में कार्यरत लगभग 30 संस्थाओं का एक संगठन है जो माइक्रो फाइनैन्स संस्थाओं को क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण तथा पॉलिसी एडवोकेसी मे मदद करता है। संस्था प्रति वर्ष अपना वार्षिक सम्मेलन आयोजित करती है संस्था इस वर्ष अपनी स्थापना के दस वर्ष पूरी कर रही है जब कि यह इसका छठवां अधिवेशन है।उन्होंने आगे बताया कि आज क्रिकेट टीम के विजेताओं को ट्रॉफी तथा क्विज कम्पटीशन के विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में तीन सत्रों के दौरान विभिन्न विषयों जैसे माइक्रो फाइनैन्स का राज्य की एक खरब डॉलर अर्थव्यवस्था मे हिस्सेदारी, व्यक्तिगत डाटा प्रोटेक्शन ऐक्ट के तहत माइक्रो फाइनैन्स संस्थाओं की तैयारी तथा माइक्रो फाइनैन्स एक सामाजिक उपयोगिता पर परिचर्चा हुई। परिचर्चा मे मुंबई से आए जना बैंक के सलाहकार तमाल बंद्योपाध्याय, एक्वीफाक्स के पूर्व एमडी श्री के एम ननैयाह , उत्कर्ष बैंक के एमडी गोविंद सिंह, सोनाटा फाइनैन्स के एमडी श्री अनूप सिंह, सत्या माइक्रोकैपिटल के एमडी विवेक तिवारी, ए एस ए इंटरनेशनल के सीईओ श्री अंजन दासगुप्ता तथा पहल फाइनैन्स की एमडी सुश्री पूर्वी भवसार ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न कंपनियों से आए हुए लगभग 250 प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीएचयू में नॉन-नेट फैलोशिप बढ़ाने की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में नॉन नेट फैलोशिप बढ़ाने की मांग को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का 35वां दिन है। छात्रों ने आज से आमरण अनशन की शुरुआत कर दी है। छात्रों का कहना है कि पिछले कई दिनों से हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हमें अपनी मांगों को पूरा करने के लिए कुलपति, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति तक को पत्र भेजा। लेकिन हमारी मांग नहीं पूरी हुई इसलिए हम लोग आज से आमरण अनशन की शुरुआत कर रहें हैं। इन शोधर्थियों का कहना है कि सन 2006 में जूनियर रिसर्चर फेलोशिप और नॉन जेआरएफ फेलोशिप एक समान 8 हजार रुपए प्रति माह था। जिसके बाद जेआरएफ के फेलोशिप को कई बार संशोधित किया गया। वर्तमान में जेआरएफ फेलोशिप करीब 43 हजार से ज्यादा हो गया है। लेकिन नॉन नेट को अभी भी मात्र 8 हजार रूपए ही मिल रहा है। जबकि शोध कार्य दोनों रिसर्चर्स को एक जैसा ही करना पड़ता है। ऐसे में इतने कम फेलोशिप में गुजारा करना मुश्किल हो जाता है। छात्रों का कहना है कि हम भले ही 35 दिनों से धरने पर बैठे हैं। मगर इससे उनके रिसर्च पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। अपने रिसर्च वर्क को बिना रोके या बिना प्रभाव के दिन रात अनवरत धरना चला भी रहे हैं। सभी शोधार्थी बारी–बारी से आकर धरना स्थल पर बैठते है। साथ में अपना काम भी करते है। जब एक्सपेरिमेंट का काम होता है, तो वे बारी–बारी से लैब में जाते हैं। जब पढ़ने वाला काम होता है, तो शोधार्थी धरना स्थल पर ही पढ़ते है।

कैलाश वर्मा ने कहा कि हम सभी शोध वृत्ति को 25000 प्रति माह करने की मांग की है। छात्र 35 दिनों से खुले आसमान के नीचे सड़क पर सो रहे हैं। लेकिन इससे

वीसी और बीएचयू को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। शनिवार को हमने मांग पूरी न होने पर सोमवार को आमरण अनशन शुरू करने की बात कही थी। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने हमारी मांगों पर कोई विचार नहीं किए। इसलिए आज से हम लोग अपना विरोध प्रदर्शन शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी छात्र के साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। सेंट्रल ऑफिस में धरना प्रदर्शन के दौरान अनमोल उपाध्याय, प्रशांत चतुर्वेदी, मनमोहन तिवारी, नीरज तिवारी, आयुषी, अभिज्ञान, अनुराधा, रघुवीर, प्रिंस, विंद्रा, विजय, कृष्ण मोहन, नितिश मिश्रा, सत्यम उपाध्याय, हरिकांत, अंकिता, नितिन यादव, दाताराम सैनी, नीतीश मिश्रा, राघवेंद्र यादव, राजेश पटेल, अजय आशीष वर्मा, अपर्णा, अर्चना, नेहा, आकांक्षा, रितु कुमारी, शिवानी मिश्रा, रघुवीर प्रजापति, पवन दुबे, विवेक विहान से काफी संख्या में शोध छात्राएं उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

वृद्ध माता पिता परिवार के वटवृक्ष और धरोहर

मां शब्द बड़ा ही वृहद और विराट होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं पितृऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता। यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं, पर भारत सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है तथा मां–बाप संतानों के पास रहते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन सहनशीलताओं परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से घिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे–धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ–साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाइयां आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे–धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है। वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां–बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्गों को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन–सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है ।यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उपेक्षा का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उपेक्षा का मूल कारण होता है। व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है मेरे साथ रहो, रुको वृद्ध हो,अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है। वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। हमें यही करना चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

मालदीव के तीखे तेवर

भारत और मालदीव के संबंध काफी अच्छे रहे हैं। मालदीव उन देशों में शामिल है जिसके साथ संबंधों का इतिहास काफी पुराना है। भारत ने हमेशा मालदीव की मदद ही की है। 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय सेना को भेजकर उस समय के राष्ट्रपति मोमून अब्दुल गयूम की सरकार को बचाया था। भारतीय सेना के जवानों ने विद्रोह पर तुरन्त काबू पा लिया था। मालदीव के पास इतनी सेना नहीं थी कि वह मामूली विद्रोह को काबू में ला सके। 2018 में जब पानी का संकट गहराया तो भारत ने ही मालदीव को जल पहुंचाया था। जरूरत की घड़ी में मालदीव की सहायता करने के लिए कोई अन्य देश नहीं बल्कि भारत ही खड़ा रहा है। मालदीव भारत से 70 समुद्री मील की दूरी परध्‌ घनिकटतम पड़ोसी है। शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में भारतीय शिक्षक और डॉक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यापार हो या पर्यटन भारत उसका सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। भारत उसे चावल, गेहूं का आटा, चीनी, आलू, प्याज, सब्जियां और यहां तक कि नदी की रेत और निर्माण सामग्री जैसी अधिकांश आवश्यक वस्तुएं प्रदान करता है लेकिन अब मालदीव से अच्छी खबर नहीं आ रही है। मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने शपथ ग्रहण करते ही भारत विरोधी राग छेड़ दिया है। राष्ट्रपति मोइज्जू ने भारत से कहा है कि वह अपनी सेना के जवानों को वापिस बुला लें। आधि ाकारिक तौर पर भारत से ऐसा अनुरोध तब किया गया जब भारत के केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू मालदीव में राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी माले पहुंचे हुए थे। राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू चीन समर्थक माने जाते हैं। उनके बयानों से यह साफ है कि वह चीन की सत्ता के बहुत करीब हैं। चीन भारत को घेरने के लिए एक के बाद एक कई देशों पर अपना प्रभाव बढ़ाता जा रहा है ताकि भारत को उलझा कर रखा जा सके। मालदीव में भारत के केवल 70 सैनिक मौजूद हैं और वहां भारत का कोई सैनिक अड्डा नहीं है। चीन के इशारे पर मालदीव को अब सैनिकों की मौजूदगी भी अखर रही है। हिन्द महासागर का यह द्वीपीय देश वैसे तो बहुत छोटा है लेकिन उसकी रणनीतिक और सामरिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है, वह भारत के लक्षद्वीप से केवल 700 किलोमीटर की दूरी पर है। यह दूरी कम है, क्योंकि सामुद्रिक रास्ते में दूरी और कम हो जाती है। हिंद महासागर के महत्वपूर्ण देश होने के नाते, भारत के इतना करीब होने के नाते और हिंद महासागर में रणनीतिक उपस्थिति की वजह से ही मालदीव इतना अहम है। चीन बार–बार कहता है कि हिंद महासागर नाम होने से वह हिंदुस्तान का महासागर नहीं हो जाता, हालांकि सच तो यह भी है कि विश्व का 90 फीसदी व्यापार अब भी हिंद महासागर से ही होकर होता है। उसमें भारत के द्वीपों का अलग महत्व है और उसी वजह से मालदीव की भूमिका भी बढ़ जाती है, वहां भारतीय सैनिकों की मौजूदगी से फ्री–ट्रेड को सुनिश्चित किया जाता है। भारतीय नौसेना जहां कहीं है वह हिंद महासागर में मुक्त व्यापार को सुनिश्चित करती है, चाहे वह मालदीव में हो या फिर जो छोटे–छोटे द्वीपीय देश हैं, वहां पर भी फ्री ट्रेड को बचाए रखने के साथ ही मेरीटाइम पाइरेसी यानी समुद्री डकैतियों को भी रोकता है। भारत की उपस्थिति यह तय करती है कि पूरे विश्व का व्यापार और माल की आवाजाही स्वतंत्र तौर पर चलती रहे। चीन काफी समय से इस जगह पर अपनी ध ामक और बढ़त बनाना चाहता है, जिस रणनीति को हम स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के नाम से जानते हैं, उसी के तहत मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और कई छोटे–मोटे द्वीपों में भी खासा निवेश कर चुका है। पाकिस्तान में भी उसने खासी रकम निवेश के नाम पर खर्च की है, जिसमें ग्वादर पोर्ट भी शामिल है, भारत नहीं चाहता है कि चीन के कोई भी मंसूबे पूरे हो सकें, इसलिए भारत भी द डायमंड नेकलेस नामक रणनीति बना रहा है, कार्यान्वित कर रहा है। हमारे रणनीतिक, व्यापारिक हित वहां हैं, हमने मालदीव में अच्छा खासा निवेश किया है। इसलिए उसकी सुरक्षा के लिए बस दो हैलिकॉप्टर, एक डॉर्नियर एयरक्राफ्ट दिया है। हम कोई साम्राज्यवादी देश नहीं है, हम बस अपने हितों की सुरक्षा कर रहे हैं। यद्यपि राष्ट्रपति मोहज्जू ने यह भी कहा है कि भारतीय सैनिकों की वापसी के बाद किसी दूसरे देश की सेना के जवानों को बुलाया नहीं जाएगा। उनका इरादा क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ना नहीं है। मालदीव के चुनाव में विदेशी सैनिकों की वापसी राष्ट्रपति मोइज्जू के वादों में प्रमुख रहा है। मालदीव बहुत छोटा सा देश है। अगर वह क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ता है तो यह उसके लिए ही नुक्सानदेह होगा। उम्मीद की जाती है कि मोइज्जू व्यावहारिक वास्तविकताओं को देखते हुए भारत के विरोध में ज्यादा सख्त कदम नहीं उठाएंगे क्योंकि उन्हें भारत के साथ संबंधों को कमजोर करने से सम्भावित परिणामों का एहसास हो सकता है। जो लोग इतिहास से सीखने में असफल होते हैं वे इसे दोहराने के ध्लिए अभिशप्त होते हैं। चीन ने भी मालदीव को ऋण जाल में फंसाया हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन अभी भी नजरबंद है। ऐसा लगता है कि अब्दुल गयूम के शासन की विरासत को उन तत्वों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है जो अपने संकीर्ण लाभ के लिए चीन के साथ गठबंधन कर रहे हैं। देखना यह है कि राष्ट्रपति मोइज्जू भारत और चीन में कितना संतुलन बनाकर चलते हैं। मालदीव के इन तेवरों को देखकर भारत को भी अपनी नीति में बदलाव करना होगा।

चुनाव जीतने हिंसा-गालियों का सहारा

मध्यप्रदेश में एक कांग्रेसी कार्यकर्ता की हत्या तथा प्रचार रैलियों के दौरान इस्तेमाल में लाई जा रही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से बता दिया है कि वह चुनाव जीतने के लिये किसी भी हद तक जा सकती है। हालांकि कई लोग भाजपा की इन हरकतों को उसकी कमजोर होती स्थिति तथा पराजय का भय भी बतला रहे हैं लेकिन पूरे देश में शासन करने वाली किसी भी सरकार एवं पार्टी का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह चुनावों में होने वाली हिंसा को रोके तथा सियासी स्पर्धा को स्वस्थ रहने दे। वैसे पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार से भाजपा ने अराजकता के नये कीर्तिमान गढ़े हैं उसके चलते इस प्रकार की अपेक्षा करना कुछ ज्यादा ही होगा। ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों में से तीन (मिजोरम, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश) में मतदान खत्म हो चुका है, मध यप्रदेश के खजुराहो पुलिस स्टेशन के बाहर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने साथियों के साथ टेंट लगाकर धरने दे रहे हैं। उनकी मांग है कि मतदान के दिन (17 नवम्बर को) उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता व छतरपुर के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाये। हत्या का आरोपी राजनगर के भाजपा प्रत्याशी अरविन्द पटेरिया को बतलाया जा रहा है। पहले मृतक के परिवारजन दो दिनों तक उनका मृत शरीर लेकर धरने पर बैठे थे। शनिवार की शाम दिग्विजय सिंह भी उसमें शामिल हो गये। रात उन्होंने वहीं गुजारी और रविवार की रात तक वे साथियों समेत डटे हुए थे। उनका और परिजनों का आरोप है कि शिवराज सरकार आरोपी को बचा रही है। पुलिस इन दिनों निर्वाचन आयोग के तहत कार्य करने के बाद भी शिवराज के प्रभाव में काम करती दिख रही है क्योंकि पटेरिया के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दायर की गई है। देखना यह होगा कि पुलिस कब तक कार्रवाई करती है। उधर राजस्थान अब भाजपा व कांग्रेस के बीच चुनावी घमासान के मंजर देख रहा है। यहां भी भाजपा बड़ी सियासी हार का खतरा देख रही है। यहां 15 नवम्बर को मोदी ने बाड़मेर के बायतु में आयोजित एक प्रचार सभा में लोगों से अपील की थी कि श्वे कमल के बटन को ऐसा दबाएं जैसे किसी को सजा दे रहे हैं, फांसी पर चढ़ा रहे हैं।श उनके इस बयान को न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक माना जा रहा है वरन घृणा व हिंसा को बढ़ावा देने वाला भी निरूपित किया गया है। उम्मीद थी कि अपनी इस जन आलोचना से स्वयं मोदी तथा उनकी पार्टी के अन्य नेता सबक लेंगे व अपनी भाषा को संयमित, मर्यादापूर्ण तथा शालीन बनाए रखेंगे। ऐसा तो हुआ नहीं, उसी दिन मध्यप्रदेश की अपनी आखिरी जनसभा में उन्होंने कांग्रेसी नेता राहुल गांध ी को श्मूर्खों का सरदारश कह डाला। सम्भवतरू उनसे प्रेरणा पाकर केन्द्रीय बाल व महिला विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राजस्थान के ही टोंक के देवली में शनिवार को हुई एक सभा में राहुल के लिये बहुत ही अशोभनीय व असंसदीय टिप्पणी कर दी, जो यह बतलाता है कि भाजपा के पास ऐसे कटु बोल करने वालों की पूरी की पूरी फौज है। इस तरह के अनेक दृष्टांत देश के सामने पिछले लगभग एक दशक से देखने में आ रहे हैं। इस मामले में भाजपा नित नयी गिरावट दर्ज कर रही है और अपने साथ समग्र राजनीति को भी दूषित कर रही है। वैसे इसका कारण यह भी माना जा रहा है कि एक ओर तो भाजपा की इन पांचों राज्यों में स्थिति बहुत नाजुक है, तो दूसरी तरफ, जैसा कि राजनैतिक विश्लेषक बतला रहे हैं और तमाम ओपिनियन पोल से लेकर सर्वेक्षण भी बतला रहे हैं, किसी भी राज्य में भाजपा को शायद ही सफलता मिले। इसके अलावा स्वयं मोदी का जादू हर रोज फीका पड़ता जा रहा है। उनकी कही बातें असर नहीं कर रही हैं। एक ओर कांग्रेस के राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सभाओं–रैलियों में गदर मचा रहे हैं तो वहीं संगठन का प्रचार तंत्र न सिर्फ भाजपा के वार को भोथरा कर रहा है बल्कि प्रत्युत्तर में बड़े हमले कर रहा है। अब तो नौबत यहां तक आ गई है कि कांग्रेस की रैलियों, जनसभाओं एवं रोड शो में लोग चलकर आ रहे हैं, तो वहीं भाजपा की सभाओं में लोगों को ढो कर लाने के बावजूद उनमें खाली कुर्सियां अधि ाक होती हैं। जिस देवली की सभा का ऊपर जिक्र हुआ है, उसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे परन्तु लोग इतने कम आए कि उसमें स्मृति को भेजना पड़ा था। सत्ता के लिए भाजपा की अति महत्वाकांक्षा देश का लोकतांत्रिक माहौल कलुषित कर रही है। शायद उसे दो तरह की खुशफहमियां हैं– पहली तो यह कि सत्ता में रहना केवल और केवल उसी का अधिकार है। दूसरे यह कि हमेशा वही सत्ता में बनी रहेगी और उसे कोई सत्ताच्युत नहीं कर सकता। यह सोच राजा–महाराजा या किसी तानाशाह शासक की तो हो सकती है परन्तु लोकतांत्रिक प्रणाली में यह सम्भव नहीं है। सत्ताएं आती हैं, उन्हें चुनौतियां मिलती हैं और वे स्थानापन्न होती हैं। उनकी जगह पर कोई और आसीन होता है। इस परम्परा व सहज प्रणाली को कोई भी नहीं तोड़ सका है। न मोदी तोड़ पायेंगे और न ही उनकी पार्टी। जन्म–जन्मांतर तक सत्ता पर काबिज रहने की महत्वाकांक्षा उनसे चुनावी हिंसा को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों को अमर्यादित व गरिमाहीन शब्दों से अपमानित करने के लिये उद्धत करती है। इससे वह बाज आए तो बेहतर।

दुबई झमाझम बारिश

प्रकृति पर पार पाना मनुष्य के लिए कभी संभव नहीं रहा है परन्तु प्रकृति का दोहन करना उसके बस में अवश्य रहा है। भौतिकतावादी आर्थिक विकास की दौड़ के मूल में प्रकृति का अधिकाधिक दोहन ही छिपा हुआ है। इसके बावजूद प्रकृति में इतना सामर्थ्य है कि वह पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव–जन्तुओं की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है मगर उनके लालच की नहीं, जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था। जिस जलवायु परिवर्तन और वैश्विक गर्मी का शोर हम सुनते रहते हैं वह प्राकृतिक साधनों का अधिकाधिक दोहन करने वाले मनुष्य के कृत्यों का दुष्परिणाम ही हो सकता है जिससे स्वयं प्रकृति का सन्तुलन ही बिगड़ रहा है। इसके बहुत से उदाहरण औद्योगीकरण के विकास से लेकर अन्तरिक्ष विज्ञान तक के क्षेत्र में अंधाधुंध वैज्ञानिक हस्तक्षेप को लेकर दिये जा सकते हैं जिनमें पृथ्वी की खनिज सम्पदा के दोहन से लेकर सुविधा व आराम तलबी के उपकरणों का विस्तार तक शामिल है। प्रकृति का सन्तुलन वायुमंडल से लेकर जल स्रोतों व नभ की गतिविधियों तक पर निर्भर करता है। जाहिर है कि जब इन सभी स्रोतों से सीमा से अधिक छेड़छाड़ की जाती है तो प्रकृति प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकती है और मौसम इसका पहला शिकार बन सकता है। इसके क्रम में विसंगतियां उत्पन्न हो सकती हैं। रेगिस्तानी इलाके बाढ़ में डूब सकते हैं और समुद्री किनारे प्यासे रह सकते हैं। अल नीनो नामक मौसम बदलाव की नई अवधारणा प्रकट हो सकती है और गर्म इलाके सर्द हो सकते हैं और ठंडक में रहने वाले क्षेत्रों में गर्मी पसर सकती है। हम पूरे विश्व में आज यही सब देख रहे हैं जिसे ग्लोबल वार्मिंग का नाम दिया जा रहा है। वायुमंडल परिवर्तन के प्रभावों से आज का मनुष्य जूझ रहा है और विज्ञान के जरिये इस पर काबू पाने में असफल हो रहा है। अतः जब हम सुनते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात जैसे सूखे व रेगिस्तान बहुल देश के दुबई शहर में बाढ़ का नजारा बना हुआ है तो हमें हल्का आश्चर्य होता है। इस देश में हुई बेमौसम बरसात से वैज्ञानिक व दुनिया हैरान है। इसके विश्व प्रसिद्ध दुबई शहर की सड़कों पर पानी खड़ा हुआ है जिस पर खड़े हुए वाहन आधे पानी में डूबे हुए हैं। इसके चकाचौंध वाले 'मालों' में भी पानी घुस चुका है। घरों और शापिंग काम्प्लेक्स में कई–कई फुट पानी घुस चुका है। पूरे शहर का यातायात अस्त–व्यस्त हो चुका है। इस शहर में कहीं कोई नदी नहीं है बल्कि देश की सरकार ने कृत्रिम झीलें व बर्फीले स्थान तैयार किये हैं। इन सभी का अब कोई महत्व नहीं रह गया है, पूरा शहर ही किसी बाढ़ का बसेरा बन चुका है। दुबई शहर केवल रेत और मिट्टी पर ही बसा हुआ है अतः प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि वे ऐसे स्थानों पर जाने से बचे जहां मिट्टी व रेत खुले में दिखाई पड़ते हैं क्योंकि पानी की वजह से वे धंस सकते हैं। बुर्ज खलीफा जैसी गगन चुम्बी इमारत के लिए और स्वर्ण खरीद–फरोख्त के लिए प्रसिद्ध दुबई शहर आज पानी का जखीरा बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन का यह कहर कुछ वर्षों पहले भारत के राजस्थान राज्य ने भी देखा था जब इसके थार के रेगिस्तानी इलाकों में जमकर बारिश हुई थी बाड़मेर व जैसलमेर जैसे शहरों में बाढ़ के हालात बन गये थे। इससे कई वर्षों पहले पश्चिम एशिया के कुछ देशों में जमकर बर्फबारी भी हुई थी और दूसरी तरफ आजकल यूरोपीय देशों में जमकर गर्मी पड़ने की खबरें भी सुनने को मिल जाती हैं। इस परिवर्तन को हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग या वायुमंडल बदलाव आदि किसी भी नाम से पुकार सकते हैं मगर सबकी जड़ में एक ही कारण है कि प्रकृति अपने साथ किये गये बेतरतीब व्यवहार पर घनघोर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। इसके साथ ही भारत के मौसम वैज्ञानिक यह घोषणा भी कर रहे हैं। इस बार आगामी अप्रैल महीना ही गर्मी का जून महीना जैसा बन जायेगा और इस महीने में समय से पहले ही भारी गर्मी पड़ेगी। यह सब अल नीनो के प्रभाव से होगा। भारतीय वैज्ञानिक विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा की गई भविष्यवाणी को आधार बनाकर यह घोषणा कर रहे हैं अल नीनो का प्रभाव मई महीने तक बना रहेगा। इसे देखकर कहा जा सकता है कि गर्मी पुराने रिकार्ड तोड़ सकती है परन्तु ऐसा हो ही यह भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि अब सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है और इस बार ठंड की सीमा क्या होगी यह भी अल नीनो ही तय करेगा। अल नीनो के दुष्प्रभाव से पेड़–पौधे भी नहीं बच पाते हैं और खेती पर भी इसका बुरा असर पड़ता है जिससे पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव–जन्तुओं के जीवन पर बुरा असर पड़े बिना नहीं रहता। फसलों का क्रम बिगड़ जाता है और पैदावार चौपट रहने का खतरा खड़ा रहता है। इस संकट का कोई एक निश्चित आयाम नहीं होता। अतः वायुमंडल का संरक्षण आज के वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

डीपफेक के इस दौर में आंखों देखी घटना पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता

डीपफेक व्यक्तिगत जीवन से आगे बढ़ कर अब राजनीतिक एवं वैश्विक सन्दर्भों के लिये एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या एआई) तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है, एआइ के जरिए डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। गलत सूचनाएं, ऑडियो–वीडियो और तस्वीरें फैलाने वालों के हाथों में एआइ ने खतरनाक उस्तरा थमा दिया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राजनीतिक मुद्दों के साथ व्यक्तिगत छवि को घूमिल करने का हथियार बनकर अनेक चिन्ताओं को बढ़ा रहा है और बड़े संकट का सबब बनता जा रहा है। डीपफेक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं बक्शा है, उन्हें भी परेशान कर दिया है। उनका एक वीडियो इन दिनों यू–ट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खूब चर्चित हो रहा है, इसमें उनको गरबा करते दिखाया गया है। ये पूरा वीडियो डीपफेक नाम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसी तरह देश एवं विदेश की अनेक हस्तियों के अनेक अश्लील एवं राजनीतिक डीपफेक व्यापक स्तर पर प्रसारित हो रहे हैं।

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमे आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद एवं तकनीक से वीडियो, तस्वीरों और ऑडियो में हेरफेर कर सकते है। इस तकनीक की मदद से आप किसी दूसरे व्यक्ति की फ़ोटो या वीडियो पर किसी और का चेहरा लगाकर उसे पूरी तरह से बदल भी सकते है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल लगभग 96 प्रतिशत के आसपास अश्लील सामग्री बनाने में होता है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल अपने मर चुके रिश्तेदारों की तस्वीरों को ऐनिमेट करने में भी करते हैं लेकिन अब डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल देश एवं विदेश की राजनीति में भी होने लगा है। राजनीतिक पार्टियाँ अपने चुनावी प्रचार में इस तकनीक का जमकर इस्तेमाल कर रही है। आम जनता को गुमराह करने एवं बड़ी हस्तियों की छवि एवं प्रतिष्ठा को धूमिल करने में अब इस तकनीक का व्यापक उपयोग होने लगा है। अनेक फिल्मी हस्तियों विशेषतः हीराइनों की अविश्वसनीय अश्लील एवं नग्न वीडियो बड़ी संख्या में आनलाइन आसानी से देखी जा सकती हैं। पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद फोटोज की मदद से आसानी से डीपफेक वीडियो बनाया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब कोई नौसिखिया भी आसानी से फर्जी वीडियो बनाकर सच और झूठ का फर्क मिटा सकता है, किसी भी वीडियो पर झट से भरोसा ना करें क्योंकि डीपफेक वीडियोज से घिरी वर्चुअल दुनिया में आंखों देखा सबकुछ हमेशा सच नहीं होता।

देश–विदेश में कई प्रतिष्ठित हस्तियां डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुकी हैं। कई विदेशी हस्तियों के भी डीपफेक वीडियो सामने आ चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के डीपफेक वीडियो में तो वे रूस से लड़ रही अपनी सेना को सरेंडर करने के लिए कह रहे हैं। इजरायल–हमास युद्ध के भी कई डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीपफेक को देश के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बता इसके खिलाफ जनता को शिक्षित एवं सावधान करने पर जोर दिया है। भारत के लिये यह बड़ा खतरा इसलिये भी है क्योंकि भारत विविधता वाला देश है, यहां की जनता छोटी–छोटी बातों पर भावुक हो जाती है एवं भड़क जाती है। असली एवं नकली यानी डीपफेक का पता लगाने के लिये सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपेक्षा है। अगर वीडियो में आँख और नाक कहीं और जा रही है या वीडियो में पलक नहीं झपकाई गई है तो समझ जाइए यह डीपफेक कंटेंट है। कंटेंट की कलरिंग को भी देखकर पता लग सकता है कि तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ हुई है। ढेरों चर्चित महिला हस्तियों एवं सिने कलाकारों के चेहरे डीपफेक टेक की मदद से पॉर्न वीडियोज पर लगाकर उन्हें ऑनलाइन शेयर किया जा रहा है। पॉप्युलर अमेरिकन अडल्ट साइट की ट्रेंडिंग टैग्स रिपोर्ट दिखाती है कि ऐसे वीडियोज पिछले कुछ महीने में तेजी से चर्चित हुए हैं और इन्हें व्यापक रूप में सर्च किया जा रहा है या देखा जा रहा है। इस टेक से किसी का फेक न्यूड वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया जा सकता है और ऐसे मामले सामने आए भी हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे–जैसे यह टेक्नॉलजी पॉप्युलर होगी, इसका गलत इस्तेमाल और ऐसे क्राइम भी बढ़ते जाएंगे।

कृत्रिम बुद्धि, कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो मशीनों और सॉफ्टवेयर को बुद्धि के साथ विकसित करता है। 1955 में जॉन मैकार्थी ने इसको कृत्रिम बुद्धि का नाम दिया। कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान के लक्ष्यों में तर्क, ज्ञान की योजना, सीखने, धारणा और वस्तुओं में हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धि का दावा इतना है कि मानव की बुद्धि का मशीन द्वारा अनुकरण किया जा सकता है। बिजली के बल्ब और मूवी कैमरे के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने कहा था कि हर नई तकनीक सुविधाओं के साथ कुछ नकारात्मक पहलू भी लाती है। नित नई तकनीक के दौर से गुजर रही दुनिया में उनका कथन प्रासंगिक बना हुआ है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। किसी भी बात या घटना के सच होने का सबसे बड़ा सबूत उसके किसी वीडियो को माना जाता रहा है लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। आंखों देखी पर और किसी भी तरह के डिजिटल फोटो या वीडियो पर भरोसा नहीं किया जा सकता। डीपफेक टेक्नॉलॉजी की मदद से ऐसे वीडियो बनाए जा सकते हैं कि बड़े–बड़े एक्सपर्ट्स भी गच्चा खा जाएं। सामान्य इंटरनेट यूजर शायद ही समझ पाए कि वीडियो डीपफेक है और उसमें दिखने वाला शख्स कोई और है। यह टेक्नॉलॉजी वीडियोज के साथ बिल्कुल वैसे ही काम करती है, जैसा फोटो के लिए फोटोशॉप करता है।

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, यह वीडियो फेक (डीपफेक) है। दरअसल इस वीडियो को लेकर मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने भी चिंता जताई है। इस डीपफेक वीडियो पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज कराया है। इस मामले में एक गिरफ्तारी भी हो चुकी है। अब काजोल का भी डीपफेक सोशल मीडिया पर आ गया है। इसमें उनको कपड़े बदलते दिखाया गया है। इसमें ओरिजनल वीडियो ब्रिटिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रोजी ब्रीन का है। उन्होंने ये वीडियो टिकटॉक पर 'गेट रेडी विद मी' सीरीज के लिए बनाया था। भारत में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग रोकने और फर्जी वीडियो की पहचान के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी विकसित करने की जरूरत है। चिंता की बात है कि सोशल मीडिया मंचों और टेक कंपनियों ने डीपफेक वीडियो पर अंकुश के लिए कोई बड़ी पहल नहीं की है। लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर इसकी घातकता को देखते हुए गंभीर है। सरकार इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले सभी डिजिटल नागरिक की सुरक्षा और भरोसे को सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को गलत सूचनाओं, डीपफेक और अन्य अवांछित सामग्री की पहचान कर 36 घंटे के अंदर उन्हें हटाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ कह दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अगर डीपफेक कंटेंट को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं तो उन्हें मिलने वाले संरक्षण को वापस ले लिया जाएगा। कई देशों की सरकारें डीपफेक के नियमन की तैयारी में हैं। कुछ अमेरिकी राज्यों में बगैर सहमति डीपफेक बनाने को अपराध घोषित किया जा चुका है। यूरोपीय देशों में भी कानून बनाने की तैयारी चल रही है। सिर्फ कानून बनाने से समस्या से पार पाना संदिग्ध है। जरूरत ऐसे तंत्र की है, जो डीपफेक की सतत निगरानी रख अवांछित सामग्री फैलाने के सभी रास्ते बंद रखे।

लोकसभा चुनाव से पहले यूपी बीजेपी में बड़ा बदलाव, कई क्षेत्रों और जिलों के बदले गए प्रभारी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश बीजेपी ने कई क्षेत्रों और जिलों के प्रभारी बदले दिए हैं। दरअसल आज भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्ष की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में प्रभारियों की नई लिस्ट पर मुहर लगा दी गई है। साथ ही विधानसभा की संचालन समिति बनाई गई है। बता दें कि आज यानी सोमवार को लखनऊ के भाजपा मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में 6 क्षेत्र प्रभारियों को बदल कर संगठनात्मक स्तर पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय को बनाया गया है। काशी क्षेत्र की जिम्मेदारी अमरपाल मौर्य को सौंपी गई है। वहीं, ब्रज क्षेत्र में संतोष सिंह, कानपुर क्षेत्र में अनूप गुप्ता और गोरखक्षेत्र में गोविंद शुक्ला को प्रभारी बनाया गया है। आज सोमवार को जिला प्रभारियों की भी लिस्ट जारी हुई है। बताया जा रहा है कि बीजेपी के 98 संगठनात्मक जिलों के जिला प्रभारी और 6 संगठनात्मक क्षेत्र के प्रभारी बदले गए हैं। इसी दौरान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश और हम सब मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग गए हैं।

यूपी परिवहन निगम ने अक्टूबर में कमाए साढ़े 32 लाख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम ने अक्टूबर माह में चेकिंग अभियान के दौरान 32 लाख 58 हजार रूपये से अधिक की राजस्व की वसूली की है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि निगम के प्रवर्तन कार्मिकों द्वारा अक्टूबर में चेकिंग की गयी, जिसमें विभाग को केवल एक माह में 32 लाख 58 हजार 385 रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ। निगम के प्रधान प्रबन्धक (कार्मिक) अशोक कुमार ने बताया कि परिवहन निगम को घाटे से उबारने के लिए कई कदम उठाए गए है। इससे निगम ने पिछले साढ़े छह वर्षों में काफी लाभांश अर्जित किया है। इसके लिए मुख्यालय स्तर से गठित सूमो चालाक दल एवं इन्टरसेप्टर के माध्यम से समय–समय पर परिवहन निगम की बसों की नियमित जांच की जाती है। ऐसे में अक्टूबर में परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों की एक लाख 16 हजार 834 बार जांच की गयी। उन्होने बताया कि जांच के दौरान कुल 4901 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पाये गये जबकि 172.4 टन बिना बुक भार पकड़ा गया है। जांच दल द्वारा की गई कार्यवाही से विभाग को 32 लाख 58 हजार 385 रुपये वसूले गये। इस दौरान 8,420 चालकों, परिचालकों का एल्कोहल टेस्ट भी किया गया।

सीएम सर मेरे साथ गलत हुआ...इंसाफ दो, नायब तहसीलदार बोलीं,

राजस्व अधिकारी ने रेप और मर्डर की कोशिश कीय अफसर बचाने में लगे

बस्ती। सीएम साहब अब तक आरोपी अफसर की गिरफ्तारी नहीं हुई। प्रशासन पूरे मामले की लीपा–पोती कर रहा है। आरोपी को बचाने की कोशिश की जा रही है। उसने मेरे साथ गलत किया। मुझे पीटा गया, मेरे साथ रेप और मर्डर की कोशिश की गई। ये कहना है बस्ती की नायब तहसीलदार का। रविवार शाम को पीड़िता ने वीडियो जारी करते हुए सीएम योगी से न्याय की गुहार लगाई है। वीडियो में महिला अफसर कह रहीं हैं कि मेरे सहकर्मी घनश्याम शुक्ला ने मेरे सरकारी आवास में घुसकर मेरे साथ रेप की कोशिश की। मेरा मर्डर करने का प्रयास किया। प्रशासन कोई एक्शन नहीं ले रहा है। जांच की बात करते हुए सिर्फ मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। तहरीर देने के 24 घंटे बाद मुश्किल से एफआईआर दर्ज हुई। इसके बाद मेरे मजिस्ट्रेट बयान करवाए गए। लेकिन, अब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। पूरी घटना 12 नवंबर यानी दीपावली की रात की है। 25 साल की अनमैरिड महिला अफसर ने 17 नवंबर को कोतवाली में एफआईआर कराई थी। तहरीर में उन्होंने बताया था कि 12 नवंबर की रात करीब 1 बजे मेरे सरकारी आवास के बगल में रहने नायब तहसीलदार घनश्याम शुक्ल (36) आवास से निकलकर आए। उन्होंने मेरे आवास का दरवाजा खटखटाया। जब मैंने दरवाजा नहीं खोला तो उसने लात मारकर दरवाजे को तोड़ दिया। इसके बाद वह मेरे कमरे में घुस आया और आते ही मुझे कई थप्पड़ मारे। इसके बाद मुझे जमीन पर गिराकर होंठ और कंधे समेत कई जगह पर काटा। मेरे कपड़े फाड़ दिए और रेप की कोशिश करने लगे। उस दिन मैं किसी तरह भागकर तख्त के नीचे छिपीं, तो आरोपी ने मुझे वहां से भी घसीट लिया। इसके बाद मेरे शरीर पर कई जगह नोंचा, मारा–पीटा और गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। पीड़ित अफसर ने पुलिस को बताया कि किसी तरह जान बचाते हुए वह बाहर भागीं। उसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया और दरवाजे पर तख्त लगा दिया। इससे उनकी जान बचा पाई। महिला नायब तहसीलदार ने अपना मेडिकल कराकर आरोपी राजस्व अधिकारी के खिलाफ केस दर्ज कराया। आरोपी तहसीलदार 35 साल का है। पीड़ित अफसर की बहन ने बताया कि आरोपी शादीशुदा है। उसका तलाक हो चुका है। पीड़िता ने बताया कि वारदात के बाद मैं तीन दिन सदमे में रही। मेरे पिता मेरे आवास पर आए लेकिन मैंने उनसे कुछ नहीं बताया। इसके बाद 15 नवंबर को छुट्टी लेकर अपने घर गोरखपुर चली गई। घर जाकर हिम्मत करके अपने परिजनों को पूरी आपबीती बताई और मारपीट के निशान दिखाए। तब जाकर परिजनों के साथ आकर मैंने आरोपी नायब तहसीलदार के खिलाफ तहरीर देकर केस दर्ज कराया।

एटा में स्कूली बच्चों को जल–जागरण से जोड़ गई जल ज्ञान यात्रा, स्कूली बच्चों में दिखा उत्साह

लखनऊ। जल जीवन मिशन की शुरुआत कब हुई, जल जीवन मिशन की घोषणा किसने की, विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है आदि अनेक प्रश्नों के उत्तर सोमवार को परिषदीय स्कूल के बच्चों ने बिना झिझके दिये। उनके अंदर जल जागरूकता पर आधारित क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने का उत्साह देखने को मिला। जल संचयन और संरक्षण पर आधारित नुक्कड़ नाटक का भी उन्होंने आनन्द लिया। कुछ ऐसा ही नजारा सोमवार को एटा के जलेसर स्थित ओवर हेड टैंक में देखने को मिला। मौका था, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की अनूठी पहल जल ज्ञान यात्रा का, जिसमें सरकारी स्कूलों के 100 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। जल निगम के अधिकारियों ने उनको जल जागरण के प्रति प्रोत्साहित किया। जल ज्ञान यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों को सबसे पहले जल निगम लैब ले जाया गया। जहां उनको जल जांच की प्रक्रिया दिखाने के साथ भूजल उपचार से संबंधित जानकारियां दी गईं। बच्चों को भी जल के नमूनों को जांचने का मौका दिया गया। फील्ड टेस्ट किट प्रशिक्षित महिलाओं ने पानी की 11 तरह की जांच करके दिखाई। स्कूली बच्चों को शुद्ध पेयजल सप्लाई से परिपूर्ण जलेसर गांव घुमाया गया। यहां उन्होंने नल से शुद्ध पेयजल प्राप्त कर रहे ग्रामीणों से बातचीत की और योजना से मिले फायदे को उनकी जुबानी सुना। यात्रा में स्कूली बच्चों ने शुद्ध पेयजल की सप्लाई की आपूर्ति प्रक्रिया को भी देखा। जल ज्ञान यात्रा में स्कूली बच्चों को बताया गया कि हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवार किस तरह से लाभान्वित हो रहे हैं। स्कूली बच्चों के लिए ओवर हैड टैंक परिसर में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें जल जागरूकता से संबंधित कई तरह के प्रश्न पूछे गये। स्कूली बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रमाण–पत्र भी वितरित किये गये। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संचयन और संरक्षण की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया।

जिंदगी से निराश प्रतियोगी छात्रा ने किया खुदकुशी,

सुसाइड नोट में लिखा–मम्मी–पापा, नौकरी नहीं मिल रही, अब नहीं जी सकती

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही छात्रा ने फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बीते 5 साल से वह लखनऊ में रहकर बैंक, एसएसएससी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। मूल रूप से रायबरेली के रहने वाली छात्रा के पिता ओंकार सिंह का कहना है 18 तारीख की रात करीब 1.00 बजे से लेकर 2.00 बजे की बीच बेटी ने सुसाइड कर लिया। उसके पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने अपनी जिंदगी की निराशा और हार के बारे में लिखा है। मम्मी–पापा नमस्ते मुझे माफ कर दीजिएगा। मैं आप लोगों के सपने पूरे नहीं कर पाई, ना ही नौकरी मिल पाई, ना ही शादी के लिए कोई अच्छा रिश्ता नहीं मिल पाया और पापा को बार–बार रिश्ते के लिए जाना पड़ता है। और मना हो जाता है।शायद मेरी किस्मत ही खराब थी, मैं शायद इतने दिन के लिए ही आई थी. आप सब लोग अपना ध्यान रखना, आशु, दीक्षा अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना.मेरी इस दशा की जिम्मेदार मैं स्वयं हूं, इसीलिए पीजी में कोई जांच पड़ताल या कहीं भी जांच पड़ताल की कोई जरूरत नहीं है। मुझे मेरी गलती के लिए हो पाए तो माफ कर दीजिएगा। मुझे पता है कि मैं आप लोगों को परेशान कर रही हूं, लेकिन मेरे पास कोई दूसरी चॉइस नहीं है। पापा आज मैंने सबसे बात कर ली है, मतलब मम्मी–पापा दीक्षा, आंसू सभी बुआ।पापा– मम्मी, बुआ आप सब मुझे माफ कर दीजिएगा।मैं ना ही एक अच्छी और ना ही आप लोगों के लिए कुछ कर पाई। आप लोग मुझ पर गर्व कर सकें। मैं अब तक कभी अपने लिए नहीं सोचा, बस सब पापा– मम्मी आप सबके लिए ही रहा आशु, दीक्षा लेकिन शायद मैं किसी के काबिल नहीं। आशु भैया मैं तो जा रही हूं लेकिन अब तुम्हें मम्मी– पापा का ध्यान और उनका सपना पूरा करना है। अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना। पॉलिटेक्निक एंट्रेंस पेपर देकर पॉलिटेक्निक करना है। उसके बाद सिविल बीटेक और JE और AE की तैयारी करके बनना है। मेरा पासवर्ड मेरे व्हाट्सएप पर मेरे नंबर पर है।...बाकी दिशा के लिए क्या ही बोलूं वह आप खुद समझदार हैं और बड़ी हो गई है। उससे मेरी अब क्या ही जरूरत है। लेकिन तुम दोनों लड़ाई ज्यादा नहीं करना। हमेशा एक दूसरे के साथ और मम्मी–पापा का ध्यान रखना। मैंने जो गलती की है उसके लिए मुझे एक बार मरना ही होगा। आशु मेरी भी इच्छा जो पूरी करने करेगा। कभी दूसरों के लिए अपनी जिंदगी खराब नहीं करना। पहले अपना कैरियर बनाना फिर कुछ और सोचना। दिशा तुम भी भैया से ज्यादा लड़ाई मत करना। एक दूसरे का सहारा बनना, जब तुम लोगों को कोई मेरे जैसे चिल्लाने वाला नहीं होगा। तुम्हारी दीदी... फिलहाल छात्रा के पास मिले सुसाइड नोट की पुलिस जांच कर रही है।

दुनिया ने युद्ध और भारत ने विश्व को बुद्ध दिया : जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भगवान बुद्ध के शांति, अहिंसा, करूणा एवं दया के कालजयी संदेश युगों–युगों तक मानव समुदाय को प्रेरणा देते रहेंगे। भगवान बुद्ध ने मानव कल्याण एवं विश्व शांति के लिए जो मार्ग दिखाये उस पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्व ने जहां एक ओर युद्ध दिया वहीं भारत ने पूरी दुनिया के लिए बुद्ध दिया। उनके शांति के संदेश आज के दौर में और भी प्रासंगिक हैं। लखनऊ के आलमबाग स्थित बौद्ध विहार शांति उपवन वीआईपी रोड पर बुद्धिष्ट कानक्लेव को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने लाइट आफ बुद्ध धर्म फाउन्डेशन इण्टरनेशनल द्वारा बौद्ध परिषद पर 10 दिवसीय बुद्धिष्ट कानक्लेव के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। इसके साथ ही इस कानक्लेव में देश–विदेश से आये हुए बौद्ध अनुयायियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मंत्री ने इसके पूर्व दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के अध्यक्ष स्व. भंते शांति मित्र के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर सम्पूर्ण धम्मपद का अखण्ड पाठ किया गया। इस कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व एशिया के बौद्ध देशों–कम्बोडिया, थाईलैण्ड, लाओस, पीडीआर, श्रीलंका, वियतनाम, म्यानमार, जापान, मलेशिया के बौद्ध भिक्षु के अलावा यूरोपी देश अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील के श्रद्धालु भी भाग ले रहे हैं। बौद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम मुम्बई एवं नागपुर से आये कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को बुद्ध धर्म फाउण्डेशन इण्टरनेशनल की कार्यकारी निदेशक डा वांगमो डिक्सी व ब्रिटेन से आये डा रिचर्ड डिक्सी ने भी सम्बोधित किया। पर्यटन महानिदेशक एवं प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने भी बौद्ध दर्शन एवं प्रदेश मे बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, नशे का आदी था मृतक

वाराणसी। जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित खोजवा बाजार में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई जब क्षेत्र में एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला। स्थानीय नागरिकों के जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक की पहचान सौरभ मिश्रा (35) निवासी छित्तूपुर थाना भेलूपुर के रूप में किया। युवक के मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय पुलिस की माने तो मौत की क्या वजह है। यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के पश्चात स्पष्ट हो पाएगा। वहीं पुलिस ने परिजनों को युवक के मृत होने की सूचना दी। खोजवा चौकी प्रभारी ने बताया कि स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला है, कि युवक नशे का आदी था। युवक का शव खोजवा स्थिति गांधी मैदान के सामने सड़क पर मृत अवस्था में पाया गया। उन्होंने बताया कि युवक के पास आधार कार्ड था। उसके मदद से परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट हो पायेगी।

द्वितीय मीडिया ओलंपिक 9 व 10 दिसंबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में

लखनऊ। मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य व फिटनेस को ध्यान में रखते हुए मीडिया ओलंपिक के द्वितीय संस्करण का आयोजन 9 और 10 दिसंबर 2023 को केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में किया जा रहा है। दो दिवसीय इस आयोजन में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, फुटबाल शूट आउट और रस्साकसी की स्पर्धाएं होंगी। आयोजन सचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में किसी भी आयु के मीडिया कर्मी और उनके परिवार के सदस्य हिस्सा ले सकते हैं। इसके विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गत वर्ष मीडिया ओलंपिक के पहले ही संस्करण ने सफलता के नए मानदंड स्थापित किए थे। इस वर्ष भी हम द्वितीय संस्करण का आयोजन इसलिए कर रहे है ताकि मीडिया कर्मियों के परिवारों की प्रतिभाओं को विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया जा सके। इन खेलों का उद्घाटन 9 दिसंबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर सुबह 11 बजे होगा जबकि समापन 10 दिसंबर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शाम 4 बजे होगा।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में थी जनजातियों की अहम भूमिका

लखनऊ। जनजाति लोक नायक बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती के अवसर पर आयोजित "जनजाति भागीदारी उत्सव" में सोमवार 20 नवम्बर को छठे दिन, सांस्कृतिक आयोजनों के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर गोष्ठी भी हुई। बीन वादन, जादू कला, कठपुतली, खानपान और हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी। 21 नवम्बर तक गोमती नगर स्थित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी परिसर में आयोजित इस उत्सव की छठी सांस्कृतिक संध्या का संचालन सरला शर्मा ने किया। उसमें देश की सतरंगी जनजातीय नृत्य, गायन और वादन की मनोरम झलक देखने को मिली। उसमें आगंतुकों ने उत्तराखंड का ताँदी नृत्य, हारूल नृत्य, झारखण्ड का पाइका नृत्य, छत्तीसगढ़ का कर्मा नृत्य, गैड़ी नृत्य, मध्य प्रदेश का गुदुम बाजा नृत्य, उत्तर प्रदेश का झीझी नृत्य, झूमर नृत्य, हुरदुगुवा नृत्य, गरदबाजा नृत्य, होली नृत्य, राजस्थान का सहरिया स्वांग नृत्य, चरी नृत्य, सिक्किम के याकछम नृत्य का आनंद लिया। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में आयोजित रहे जनजातीय भागीदारी उत्सव के तहत सोमवार को लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी की उपस्थिति में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका विषयक संगोष्ठी भी हुई। उसका संचालन करते हुए वर्धा स्थित महात्मा गांधी हिंदी विश्व विद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष प्रो.ओमप्रकाश भारती ने कहा कि जनजाति स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में सिर्फ उनकी जीवनी लिखने और उनकी कथाओं को बता देने मात्र से जनजाति स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में लोगों को सतही जानकारी ही मिल रही है। ऐसे में हम लोगों को उनके संचार माध्यम, नेतृत्व करने के तरीके, उनके युद्ध पद्धति, उनके सीखने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालने की जरूरत है। जनजाति शोध एवं विकास संस्थान के निदेशक डॉ.बनवारी लाल गोंड ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का बीज आदिवासी समाज ने ही रखा। जनजातिय इतिहास के पुनर्लेखन की जरूरत है। जल, जंगल और जमीन से जुड़कर रहने वाला समुदाय को उनके बीच जाकर बारीकी से देखने समझने की आवश्यकता है। "भावा माटी–भावा राज" के उद्घोषक बिरसा मुंडा, तिल्का मांझी, विष्णु मांझी, सिद्धू कान्हू जैसे जनजाति लोकनायकों ने अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष किया और लड़ाइयाँ लड़ी। जनजाति समुदाय के लोगों ने अपनी माटी, संस्कृति, परम्परा को बचाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बीज बोया था। जनजाति विकास विभाग की उप निदेशक प्रियंका वर्मा ने कहा कि प्रकृति प्रेमियों को नए परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है जो तथ्य छूट गए हैं उस पर भी शोध किया जाए। टीआरआई के नोडल अधिकारी देवेन्द्र सिंह ने कहा कि सुझाए गए बिंदुओं का डॉक्यूमेंटेशन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में प्रोफेसर डॉ.रुक्मिणी चौहारी सहित वर्धा विश्वविद्यालय के शोधार्थी शिवकांत वर्मा, पं.दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोधार्थी कंचन, हैदराबाद विश्वविद्यालय की शोधार्थी तारा चौधरी, बीएचयू के शोधार्थी बृजभान गोंड भी उपस्थित रहे।शिल्प मेला में उत्तर प्रदेश का मूँज शिल्प, जलकुंभी से बने शिल्प उत्पाद, कशीदाकारी, बनारसी साड़ी, कोटा साडी, सहरिया जनजाति उत्पाद, गौरा पत्थर शिल्प, लकड़ी के खिलौने खासतौर से पसंद आ रहे हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की महेश्वरी साड़ी, चंदेरी साड़ी, बांस शिल्प, जनजातीय बीड ज्वेलरी, पश्चिम बंगाल की कांथा साड़ी, ड्राई फ्लावर, धान ज्वेलरी, झारखण्ड की सिल्क साड़ी, हैंडलूम टेक्सटाइल्स, तेलंगाना की पोचमपल्ली, साड़ी और चादर, महाराष्ट्र की कोसा सिल्क साड़ी, राजस्थान का सांगानेरी छप्प ब्लाक प्रिंट, छत्तीसगढ़ का लौह शिल्प, ढोकरा एवं बाँस शिल्प, असम का हैंडलूम गारमेंट और सिक्किम का हैंडलूम टेक्सटाइल्स भी आगंतुकों को लुभा रहा है। व्यंजन मेला में उत्तर प्रदेश का भुना आलू चटनी, कुमाऊंनी खाना, मक्खन मलाई, रबड़ी दूध, चाट का स्वाद चखने का अवसर मिल रहा वहीं राजस्थान के व्यंजन, मुंगौड़ी, जलेबी, तंदूरी चाय, जनजातीय व्यंजन, महाराष्ट्र के व्यंजन, मटका रोटी, बिहार के व्यंजन, खाजा, मनेर के लड्डू भी इस आयोजन का स्वाद बढ़ा रहे हैं। जनजातीय वाद्यों की प्रदर्शनी, मोर, जनजातीय झोपड़ी और पूजा स्थल का सेल्फी प्वाइंट भी सबको आकर्षित कर रहा है। मटकी और राजस्थानी कठपुतली की सजावट भी लोगों को पसंद आ रही है।

युवक से ऑनलाइन ठगी, एनिडेस्क एप डाउनलोड करा उड़ाई रकम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को गूगल पर हेल्पलाइन नम्बर निकालना महंगा पड़ गया। ठगों ने युवक से एक एप डाउनलोड करवा कर उसके खाते से हजारों रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित युवक ने ठगी का एहसास होने पर साइबर क्राइम में ऑनलाइन और बिजनौर थाने में साइबर जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। निखिल कुमार श्रीवास्तव परिवार संग पुराना गुडौरा, थाना बिजनौर में रहते है। उन्होंने पुलिस से लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी वाशिंग मशीन की रिपेयरिंग के लिए गूगल की सहायता से फ्लिपकार्ट का हेल्पलाइन नम्बर खोज रहा था। जिसमें उसे एक मोबाइल नंबर मिला। इस नंबर पर फोन मिलाने पर कॉल रिसीव करने वाले ठग ने अपना परिचय राहुल के तौर पर दिया। उसने अपना दूसरा मोबाइल नंबर दिया और बात करने को कहा। दूसरे नंबर पर फोन मिलाने पर ठग ने उससे एक एनीडेक्स नाम की एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा। एप्लिकेशन डाउनलोड करने के बाद ठग ने दो रुपये की ट्रांजेक्शन करने की बात कही। इस पर उन्होंने अपने आईसीआईसीआई बैंक शाखा आलमबाग से कर दिया। निखिल का कहना है कि ट्रांजेक्शन करते ही उनके खाते से 15000 रुपये आटोमेटिक कट गये और इसी खाते के क्रेडिट कार्ड में 27,799 रुपये कट गये। इसके अलावा बैंक कोटक महिन्द्रा से भी 3500 रुपये कट गया है। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने साइबर क्राइम सहित बिजनौर थाने में ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

लोकसभा चुनावः शुरू हो गई तैयारी, अप्रैल-मई में चुनाव के आसार

चुनाव आयोग ने मांगा बोर्ड परीक्षाओं का ब्योरा

नामांकन, मतदान, मतगणना के लिए आयोग ने तय की पांच थीम

लखनऊ। 2024 की शुरुआत में होने वाले लोकसभा चुनाव यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल, इण्टर के अलावा अन्य परीक्षाओं को ध्यान में रखकर ही करवाए जाएंगे। केन्द्रीय चुनाव आयोग ने प्रदेश सरकार से अगले साल जनवरी से लेकर मई के दरम्यान होने वाली परीक्षाओं का पूरा ब्योरा मांगा है। प्रायः प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं फरवरी–मार्च में हो जाती हैं। 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव अप्रैल और मई के महीनों में करवाये गये थे। इन महीनों में ग्रामीण इलाकों में गेहूं व अन्य फसलों की कटाई का समय होता है, किसान व्यस्त रहते हैं। उम्मीद यही है कि इस बार भी लोकसभा चुनाव अप्रैल और मई के महीनों में ही करवाए जाएंगे। आयोग ने दुर्गम इलाकों में पूरी चुनाव प्रक्रिया सुगमता से सम्पन्न करवाने की तैयारी की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने उन मतदान केन्द्रों की भी जानकारी मांगी है जहां पोलिंग पार्टी को मतदान के लिए नाव से जाना पड़ता है। नामांकन, मतदान, मतगणना की पूरी प्रक्रिया बेहतर ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए आयोग का चुनाव ड्यूटी करने वाले कार्मिकों के प्रशिक्षण पर ज्यादा फोकस है। प्रशिक्षण की पांच थीम तय की गयी हैं। इनमें प्रत्याशी की पात्रता, अपात्रता, नामांकन, नामांकन पत्रों की जांच, नामांकन वापसी, चुनाव चिन्ह आवंटन, जिले में चुनाव का पूरा प्लान, मतदान केन्द्रों की संवेदनशीलता, पोलिंग पार्टी और मतदान के दिन का पूरा इंतजाम, पोस्टल बैलेट, आदर्श चुनाव आचार संहिता का अनुपालन आदि बिन्दु शामिल किये गये हैं।इन बिन्दुओं पर विधानसभावार मास्टर ट्रेनर तैयार किये जाएंगे। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष शुक्ल के मुताबिक हर जिले से प्रशिक्षण के लिए जिला प्रशासन से एक अधिकारी नामित करते हुए उनका ब्यौरा मांगा है। यह मास्टर ट्रेनर बाद में अन्य चुनाव कर्मियों को प्रशिक्षण देंगे।

आपसी विवाद में युवक ने की फायरिंग, घर के बाहर खड़ी युवती को लगी गोली

लखनऊ। बीकेटी में आपसी विवाद में रविवार को युवक ने गोली चलाई। जोकि घर के बाहर खड़ी युवती को जा लगी। गोली चलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। युवती के पिता ने इसकी सूचना बीकेटी पुलिस को दी। परिजनों ने गोली लगने से घायल युवती को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती और परिजनों से जानकारी ली और मामले की जांच में जुट गई। बीकेटी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित तकिया के परिषदीय के सामने दोपहर में दो लोगों के बीच विवाद में गोली चली। इस घटना में युवती दिलकश सिद्धकी उर्फ आफरीन उम्र लगभग 19 वर्ष के पैर में गोली लगी। स्कूटी सवार नागेंद्र प्रसाद उर्फ पिंटू यादव निवासी भैंसामऊ ने बताया कि दोपहर में वह लखनऊ की तरफ से आ रहे थे। तभी उनकी स्कूटी एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल से छू गई। मोटरसाइकिल सवार से बहस हुई जिसमें मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति ने तकिया परिषदीय विद्यालय के सामने झोले से देसी कट्टा निकालकर फायर कर दिया। जिसमें गोली पास खड़ी युवती को जा लगी। लोगों ने मेरी स्कूटी से उसका पीछा किया, लेकिन वह भाग निकला। घायल युवती के पिता रईस अली निवासी तकिया बीकेटी ने लिखित तहरीर में बताया कि दोपहर करीब सवा एक बजे बेटी दिलकश सिद्धकी उर्फ आफरीन उम्र लगभग (19) घर के बाहर चौनल गेट पर खड़ी थी । इतनी देर में दो लोग जिसमें एक व्यक्ति स्कूटी पर था और दूसरा व्यक्ति होण्डा मोटर साइकिल पर था । दोनों रोड के किनारे खड़े होकर आपस में झगड़ने लगे। इतने में होण्डा मोटर साइकिल सवार व्यक्ति ने रिवाल्वर से फायर कर दिया। जो उस व्यक्ति को न लगकर मेरी बेटी के पैर में लग गयी। जिससे उसे बहुत ज्यादा रक्तस्राव होने लगा। उसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। नागेंद्र प्रसाद ने भी बीकेटी थाना में लिखित तहरीर दी है।

मनाई गई गोपाष्टमी, चंपत राय ने किया पूजन

अयोध्या। अयोध्या में गोपाष्टमी का पर्व परंपरागत मनाया गया।कारसेवकपुरम की श्रीराम गोशाला मे भी गाय का वैदिक रीति से पूजन किया गया। गो पूजन के बाद राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि ष्गावो विश्वस्त मातरः अर्थात गाय ही विश्व की माता है,भारत की तो यह आत्मा ही है।गो पालन से परिवारों पर बोझ नही बल्कि परिवार सुखी सम्पन्न होगा ।गोसेवा करने वाला मनुष्य हर संकटों से मुक्त रहता है। इस लिए गो वंश का संरक्षण संवर्द्धन हर हाल में होना चाहिए।श्रीराम गोशाला समिति के उपाध्यक्ष सांसद लल्लू सिंह ने कहा गे संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक राष्ट्र भक्त का कर्तव्य बने। यह सम्पूर्ण मानव जीवन के लिए महा उपयोगी है। गोवंश आधारित कृषि से मोह भंग इनके लिए हितकारी नही हो सकता है।अधिक पैदावार और कठिन परिश्रम से बचने के लिए हमे अपने मूल को त्यागना श्रेष्ठकर नही है। श्रीराम गोशाला के प्रबंधक पुरूषोत्तम नारायण सिंह ने राज्य सरकार द्वारा गौ संवर्धन हेतु उठाये गये कदमों की प्रशंसा करते हुए कहा धर्म संस्कृति और जन कल्याण के लिए समर्पित सरकार ने अवैध बूचड़खानो को बंद कराकर समाज हित का काम किया है।उन्होंने समाज का आह्वान करते हुए कहा राम –कृष्ण और शंकर के इस देश मे अधिक से अधिक गो पालन होना चाहिए।पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा गौपुत्र बनने के लिए गौ पालन होना चाहिए, गौवंश की सुरक्षा ही हमारा कर्तव्य हो,दूध ना देने वाली गौ का लालन पालन उतना ही आवश्यक जितना हमारे घरों के वृद्ध जन । कार्यक्रम में विहिप केंद्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह पंकज,अखिल भारतीय धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह, मनोज वर्मा, प्रभारी शिवादास सिंह, गौ शाला के सह प्रबंधक शरद शर्मा, वीरेन्द्र जी,सदस्य ओमप्रकाश सिंह, प्रभारी भूपेन्द्र शर्मा, मेजर रामप्रकाश फौजी, रजनीश, बालचंद्र वर्मा, अमित पांडेय, राजा वर्मा, सर्वेश, रासबिहारी, आदि उपस्थित रहे।

गेस्ट हाउस से 42 लाख की चोरी,16 दिन बाद नौकर सहित 4 गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 58 पुलिस ने डुप्लेक्स में ताला तोड़कर नगदी व सोने की ज्वेलरी की चोरी की घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने इस दौरान नौकर सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों के कब्जे से चोरी के नगद 42 लाख, एक गाड़ी और चोरी करने के उपकरण बरामद किए हैं। दरअसल, 4 नवंबर को थाना सेक्टर–58, नोएडा पर सूचना दी गई कि डुपलेक्स नं. 22 शिवालिक सेक्टर 61 नोएडा में दीपावली के उपलक्ष्य में कुछ कीमती सामान और कैश रखा था। अज्ञात चोरों के द्वारा ऊपर के कमरे में रखा हुआ कीमती सामान मय कैश दरवाजा तोड़कर चोरी कर लिया गया है। इस सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और टीम बनाकर चोरों की तलाश में जुट गई। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नौकर सहित 4 लोगों को बड़ा डी पार्क के पास सेक्टर–62, नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान शेर बहादुर, फरमान, सचिन व रणजीत को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों को घटना के 16 दिन बाद गिरफ्तार किया गया है। एडिशनल डीसीपी शक्ति अवस्थी ने बताया कि कम्पनी के चपरासी शेर बहादुर व ड्राइवर रणजीत ने चोरी की यह योजना बनाई। वह गेस्ट हाउस पर जाते रहते थे तो उन्होंने देखा कि दीपावली को लेकर वहां पर काफी कैश और कीमती सामान रखा हुआ है। शेर बहादुर पहले जेल जा चुका है जहां उसकी मुलाकात फरमान व रोहित से हुई थी। वह लोग ताले तोड़कर चोरी किया करते थे। इन सभी लोगों ने मिलकर चोरी की योजना बनाई और एक महिला गीता के घर पर योजना तैयार की। उसके बाद चोरी वाले दिन 2 और लोगों को बुलाया गया। इसके बाद इन लोगों ने ताला तोड़कर वहां पर रखा हुआ कैश और ज्वेलरी व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। इन लोगों के द्वारा करीब 42 लाख रुपए चोरी किए गए। फिलहाल चार चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन लोगों के कब्जे से 42 लाख रुपए भी बरामद कर लिए गए हैं। अभी इस मामले में कई आरोपी फरार चल रहे हैं। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। उनके पास भी चोरी का काफी सामान है। इन चोरों पर चोरी के एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

नाती ने अपने बाबा की गड़ासे से काटी गर्दन,संपत्ति की लालच में घटना को दिया अंजाम

बांदा। जिले में एक बार फिर दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक कलयुगी नाती ने अपने ही सगे बाबा की गड़ासे से गर्दन काट कर हत्या कर दी। ग्रामीणों की सूचना में पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला शहर कोतवाली अंतर्गत मवई गांव का है। जहां संपत्ति को लेकर अस्सी वर्षीय फुल्ला की उसी के सगे नाती ने गड़ासे से गर्दन पर हमला कर दिया। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना जैसे ही गांव में फैली तो हड़कंप का माहौल हो गया और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है की मृतक शौच क्रिया के लिए सुबह खेतों की ओर गया था तभी सुबह करीब सात बजे इस घटना को अंजाम दिया गया।मृतक के बेटे महा प्रसाद ने बताया की उसके पिता सुबह करीब छः बजे सौच क्रिया के लिए निकले थे जिसके बाद उसी के भाई यानी मृतक के दूसरे बेटे ने संपत्ति की लालच में पिता की हत्या कर दी। वहीं इसी मामले में मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी गवेन्द्र पाल गौतम ने बताया की मृतक अपने बड़े बेटे के साथ रहता था और उसी को अपनी संपत्ति देना चाहता था इसी बात से नाराज मृतक के दूसरे बेटे के पुत्र ने गड़ासे से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्यारे को हत्या में प्रयोग किए गए हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

टेंट और लाइट डेकोरेशन की दुकान में आग,15 लाख का सामान राख

गोण्डा। जिले में देर रात छपिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक टेंट और लाइट डेकोरेशन की दुकान में अचानक शार्ट–सर्किट से भीषण आग लगने से 15 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। दुकान मालिक अपने टेंट और लाइट डेकोरेशन की दुकान को बंद करके अपने घर चला गया था।देर रात लगी आग अचानक देखते ही देखते पूरे दुकान में फैल गई और आगे की लपटें बाहर आते देख लोगों ने दुकान मालिक और स्थानीय लोगों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद दुकान के दरवाजे को खोल और फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दिया। घंटों बाद फायर ब्रिगेड टीम नहीं पहुंची और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरीके से आग पर काबू पाया। दरअसल देर रात छपिया थाना क्षेत्र अंतर्गत भवाजितपुर के पास स्थित दाढ़ी यादव की अरविंद टेन्ट एंड लाइट डेकोरेशन की दुकान है। टेंट और लाइट डेकोरेशन का काम करते हैं। रात में 10.00 बजे अपनी दुकान को बंद करके अपने घर चले गए थे, लेकिन देर रात 1.00 के करीब अचानक टेंट की दुकान से आग की लपटें बाहर आते देख स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों ने दुकान मालिक दाढ़ी यादव को सूचना दी। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद टेंट की दुकान का दरवाजा किसी तरीके से खोला और फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी। घंटों बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंची, जिसके बाद ग्रामीणों ने खुद आग पर काबू पाया। टेंट और लाइट डेकोरेशन का दुकान के अंदर रखा 15 लाख रुपए का सामान जलकर पूरी तरीके से राख हो गया। वहीं टेन्ट हाउस मालिक दाढ़ी यादव ने बताया कि शार्ट–सर्किट से यह आग रात में लगभग 1 बजे लगी है। रात 10 बजे दुकान बन्द कर अपने घर भवाजितपुर चले गए थे। जब मौके पर पहुंचे तो सामान धू–धूकर जल रहा था। मोहल्ले वालों की मदद से आग बुझाने की कोशिश की और कड़ी मशक्कत के बाद हम लोगों ने आग बुझा ली। दुकान के अंदर 15 लाख रुपए का सामान रखा था, जो पूरी तरीके से जलकर राख हो गया है। वहीं छपिया थाना अध्यक्ष ने बताया कि देर रात एक टेंट और लाइट डेकोरेशन दुकान में आग लग गई थी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है, जो भी नुकसान हुआ है उसका आकलन लेखपाल द्वारा किया जा रहा है और पुलिस पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है।

कैनाडी हाल में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय महासम्मेलन क उद्घाटन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग द्वारा कैनाडी सभागार में आयोजित भारतीय भाषा विज्ञान सोसाइटी के 45वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय महासम्मेलन के उद्घाटन समारोह को आनलाइन संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा सचिव के संजय मूर्ति, आईएएस ने कहा कि भाषा विज्ञान सभी विषयों की जननी है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार मातृ भाषा शिक्षण पर बहुत बल दिया गया है। इसमें भाषा विज्ञान के सभी क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि उनके द्वारा किये गये अध्ययन के अनुसार यह एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है जिसका प्रभाव स्कूली शिक्षा पर भी पड़ेगा और उसका वैश्विक स्तर पर बहुभाषायी उपयोग होगा। कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने कहा कि भाषा विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण विभाग है, जिसके द्वारा पूर्व में भी महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कला संकाय के प्रमुख विभागों में से है। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर श्रीश चौधरी ने इस महा सम्मेलन को भाषा विज्ञान के क्षेत्र में एक सराहनीय और उपयोगी कदम बताया। मानद् अतिथि भारत सरकार के रसायनिक एवं उरर्वक मंत्रालय के उप महानिदेशक गंगा कुमार आईएएस ने इस महासम्मेलन की सफलता हेतु बधाई देते हुए प्रो. वारसी द्वारा आयोजित किये गये समारोह की प्रशसा की। रजिस्ट्रार मोहम्द इमरान आईपीएस ने कहा कि यह सम्मेलन विश्व में नवीन कीर्तिमान स्थापित करने में सहायतार्थ होगा और भविष्य में नये आयामों को खोलेगा। भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एमजे वारसी ने सभी आगुन्तक विद्वानों का स्वागत किया। प्रोफेसर जी उमा माहेश्वर राव अध्यक्ष एलएसआई और प्रोफेसर शोभा सत्यनाथ, उपाध्यक्ष एलएसआई व कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर आरिफ नजीर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उपस्थितजनों का आभार मसूद अली बेग ने जताया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शबाना हमीद ने किया। इस अवसर पर मंच पर मौजूद अतिथियों ने विभाग के जर्नल, बुक आफ एब्सट्रेक्ट तथा प्रोफेसर वारसी की पुस्तक जदीद लिसानियात का भी विमोचन किया।

प्राइवेट चीनी मिल में ब्लास्ट, एक इंजीनियर की मौके पर ही मौत

अयोध्या। अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र स्थित मसौधा चीनी मिल के विद्युत संयंत्र में ब्लास्ट हो गया है। ब्लास्ट होने से इंजीनियर की मौत हो गई है। घटना टरबाइन में आग लगने से हुई है। घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मसौधा चीनी मिल में सोमवार दोपहर 3.30 बजे चीनी उत्पादन संयंत्र में ब्लास्ट हो गया। घटना में वाराणसी के रहने वाले इलेक्ट्रिक इंजीनियर विपिन सिंह (38) की मौके पर ही मौत हो गई। टरबाइन में ब्लास्ट के बाद मिल में आग लग गई। जिसके बाद पुलिस और अग्निशमन की टीमें मौके पर पहुंची। जिसके बाद तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घटना के बाद गन्ना पेराई कार्य बंद कर दिया गया है। पूराकलंदर थाना प्रभारी रतन शर्मा ने बताया कि घटना के बाद संयंत्र को बंद करा दिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस टीम मौके पर मौजूद है। मामले की जांच की जा रही है। आग के कारणों का पता नहीं लग सका है।

व्रती महिलाओं ने सूर्य का अर्घ्य देकर किया पूजन-अर्चन, पुलिस फोर्स रहा तैनात

बस्ती। रुधौली सहित विभिन्न जगहों पर सोमवार को छठ महापर्व हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया। चार दिनों तक चले छठ महापर्व को लेकर सोमवार को व्रती महिलाओं ने रुधौली कस्बे के बुद्धि बाजार में सूर्योदय के दौरान पोखरे

में खड़े होकर अर्घ्य दिया। पूजन अर्चन किया। जबकि कई महिलाओं ने घर पर ही पूजन अर्चन किया। इस दौरान बुद्धि बाजार स्थित पोखरे पर भारी भीड़ रही। जबकि डीजे पर छठ मैया के गीत छठ मैया की महिमा की कथा चल रही थी। महिलाओं ने बेदी पर पूजन अर्चन कर पुत्र की दीर्घायु की कामना करते हुए छठ मैया की पूजा कर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की। वहीं किन्नारों ने भी छठ महापर्व पर पूजन अर्चन किया। छठ महापर्व पर सूर्योदय को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन हुआ। छठ को लेकर पटाखे भी फोड़े गए। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। कामिनी त्रिपाठी, मनीषा सिंह, रचना सिंह, अंतिमा सिंह, इन्दू सिंह, सपना सिंह, विजयलक्ष्मी बरनवाल, सीमा, लीलावती देवी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पोखरे पर पहुंचीं। पूजन अर्चन किया। पटाखे भी फोड़े गए। जबकि बुद्धि बाजार स्थित पोखरे पर छठ पर्व पर भारी भीड़ के बीच लोकनृत्य को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। हिन्दु युवा वहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष शशि भूषण सिंह, नपं अध्यक्ष धीरसेन निषाद, समासद विनोद सोनकर द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान भाजपा नेता रवि प्रताप सिंह, केडी सिंह, रजनीश सिंह, अरविंद सिंह, राजेन्द्र यादव, एसआई राघवेंद्र प्रताप सिंह, एसआई सुग्रीव चंद्रा साहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। मां सरघाट मंदिर पर स्थित पोखरे पर भी महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं मझौवाकला प्रथम में हनुमान जी के मन्दिर के पास स्थित पोखरे पर व्रती महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य दी है। क्षेत्र के पचारी कला, कुड़ी चौराहा, डड़वा पांडे, महुआर, दसिया सहित विभिन्न जगहों पर छठ पर्व हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त... 22 जनवरी को 12.20 बजे,

48 मिनट का अभिजीत मुहूर्त, पीएम नरेंद्र मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मौजूद रहेंगे

अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त तय हो गया। 22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त मृगशिरा नक्षत्र में दोपहर 12.20 बजे रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा होगी। 48 मिनट का यह मुहूर्त दोपहर 11.36 बजे से 12.24 बजे तक है, जबकि मृगशिरा नक्षत्र पूरे दिन बना रहेगा। रविवार को मंदिर ट्रस्ट से जुड़ी बैठक में यह तय किया गया। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है। अयोध्या की ही हनुमत ज्योतिष संस्थान के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने बताया, मृगशिरा नक्षत्र 22 जनवरी को सुबह 5.15 बजे से 23 जनवरी की सुबह 5.36 बजे तक रहेगा। 22 जनवरी को पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी है और दिन सोमवार। प्राण–प्रतिष्ठा का यह योग सनातन धर्म, अयोध्या और च्ड मोदी, तीनों के लिए बेहद शुभ है। प्राण–प्रतिष्ठा समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर 24 जनवरी तक चलेगा। प्राण–प्रतिष्ठा से पहले सरयू पूजन करके उसके जल से रामलला का अभिषेक होगा। फिर उन्हें रथ से नगर भ्रमण कराया जाएगा। इससे पहले रामलला की मूर्ति को जल, फल और अन्न के बीच में एक–एक दिन रखा जाएगा।

9 दिवसीय समारोह के लिए श्रीराम यंत्र की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के समापन के बाद इसे सरयू नदी में विसर्जित कर दिया जाएगा। समारोह में हवन के लिए 9 कुंड बनाए जाएंगे। पूरा कार्यक्रम काशी के विद्वानों की देख–रेख में होगा। राम मंदिर के ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने बताया, ष्समारोह में विश्व के अनेक देशों के करीब 100 विशेष राम भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा, संतों और देशभर के राम भक्तों सहित 7 हजार लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य पर्व 22 जनवरी को PM मोदी को शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र भेजा जा चुका है। प्राण–प्रतिष्ठा समारोह देशभर के 4 लाख गांवों के मंदिरों में भी मनाया जाएगा। इन मंदिरों में रामनाम संकीर्तन और किसी एक मंत्र का जप के साथ मुख्य पर्व पर आरती और प्रसाद वितरण होगा। इसके साथ ही समारोह का लाइव टेलीकास्ट होगा। इससे करोड़ों भक्त इस ऐतिहासिक पल को सीधे देख सकें।

हलाल सर्टिफाइड प्रोडेक्ट पर सरकार का शिकंजा,

एफएसडीए की टीम ने सहारा मॉल समेत कई जगह मारा छापा

लखनऊ। योगी सरकार के द्वारा हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट पर की गई पाबंदी के बाद एफएसडीए की टीम सक्रिय हो चुकी है। सोमवार को एफएसडीए की अलग अलग टीम ने सहारा मॉल समेत शहर के विभिन्न मॉल में हलाल प्रोडक्ट चेक करने पहुंची। सहारा मॉल के स्मार्ट बाजार में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट की जांच की जा रही है। खास सामग्री कोल्ड ड्रिंक व अन्य आइटम को चेक किया जा रहे हैं। मीट, ड्राई फ्रूट्स कोल्ड ड्रिंक सहित अन्य फूड आइटम की भी जांच की जा रही है। इस मामले में लखनऊ स्थित हजरतगंज कोतवाली में आठ कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद योगी सरकार के द्वारा इस पूरे मामले की जांच कराई जाने की भी निर्देश दिए गए थे। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के सहायक आयुक्त डॉ एसपी सिंह ने बताया कि लखनऊ शहर के विभिन्न मॉल में छापेमारी की जा रही है। हलाल के संबंध में जो दिशा निर्देश सरकार के द्वारा जारी किए गए हैं। उसकी लिस्ट लेकर सभी मॉल में रखे गए प्रोजेक्ट की जांच की जा रही है। इसी क्रम में सहारा मॉल, फिनिक्स मॉल, लुलु मॉल समेत शहर के अन्य बड़े मार्केट में भी एफएसडीए की टीम जांच करने पहुंची है। सरकार की तरफ से बना किए गए सभी हल प्रोडक्ट की सूची के साथ एफएसडी है की टीम अगले एक सप्ताह तक की अलग–अलग स्थान पर जाकर चेकिंग करेगी।

अंतरिक्ष प्रयोगशाला में प्रशिक्षण ले रहे कंपोजिट स्कूल के बच्चे

गोण्डा। गांव के सरकारी स्कूल में भी कल्पना चावला व राकेश शर्मा तैयार किए जा रहे हैं। ग्राम प्रधान ने अनोखी पहल करते हुए सरकारी स्कूल में अंतरिक्ष प्रयोगशाला का निर्माण कराया है। जहां स्पेस एकेडमी नोएडा के प्रशिक्षक बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दे रहे हैं।कंपोजिट स्कूल वजीरगंज में ग्राम प्रधान सुशील जायसवाल ने 15वें वित्त आयोग की धनराशि का उपयोग करवाते हुए अंतरिक्ष प्रयोगशाला का निर्माण कराया है। करीब सात लाख रुपये की धनराशि से यह प्रयोगशाला एक माह में बनकर तैयार हुई है। प्रथम चरण में बच्चों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण देने के लिए नोएडा के व्योमिका स्पेस एकेडमी के संस्थापक गोविंद यादव, वीएस अकादमी जालौर, राजस्थान से अंतरिक्ष वैज्ञानिक भरत कुमार वैष्णव व वीएस अकादमी नोएडा से नितिन कुमार प्रशिक्षित करने में जुटे हैं।अंतरिक्ष प्रयोगशाला प्रशिक्षण में 12 बच्चियां व सात बच्चे शामिल हैं। अगले एक वर्ष तक लगातार स्पेस अकादमी दिल्ली से बच्चों को ऑनलाइन क्लास दी जाएगी। ग्राम प्रधान सुशील ने बताया कि प्रयोगशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी नेहा शर्मा, पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल व सीडीओ एम. अरुन्मौली की उपस्थिति में सोमवार को किया जाएगा। अंतरिक्ष प्रयोगशाला में अलग–अलग तरह के रोबोट, ड्रोन, रोवर को स्थापित किया गया है। यहां चंद्रयान, मंगलयान, रॉकेट, चेतक, पुष्पक, गगन, पवन, जटायु, गरुण, वायुयान, एयरक्राफ्ट का मॉडल भी रखा गया है। प्रशिक्षक कक्षा 5–8 के बच्चों को सूर्य व चंद्रमा के अध्ययन के लिए अलग–अलग टेलीस्कोप, रोबोटिक ट्रेनिंग, सेटेलाइट का ज्ञान, रॉकेट ट्रेनिंग व वायुयान को उड़ाने का ज्ञान दे रहे हैं।

मनाया गया गोपाष्टमी,11 वैदिक ब्राह्मणों ने षोडषोपचार विधि से किया गऊ पूजन

वाराणस। काशी में गोपाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। वाराणसी के तमाम गोशालाओं में आज गायों का श्रृंगार हुआ। शहर के सभी गोशालाओं में हर साल की भांति इस बार भी गोपाष्टमी का पर्व पूरे धार्मिक रीति–रिवाज और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गायों की आरती की गई। गोशालाओं में सुबह सवेरे गो माता के स्नान के बाद उन्हें रंग–बिरंगी चुनरी का वस्त्र पहनाया गया। विधिवत श्रृंगार के बाद षोडशोपचार विधि से उनकी पूजा की गई। फिर आरती के बाद उन्हें चारा खिलाया गया। मान्यता है कि आज के दिन गो माता के पूजन से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी कामना को लेकर वारणसी के धर्म संघ में आज गोपाष्टमी को विशेष पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें शहर से संत और प्रबुद्ध जनों के अलावा राजनैतिक लोग भी शामिल हुए। जिन्होंने पूरी श्रद्धा भाव से गो माता की पूजा अर्चना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गोपाष्टमी का त्योहार कृष्ण काल से मनाया जा रहा है। आज के ही दिन भगवान श्री कृष्ण को 6 वर्ष के उम्र में पहली बार गायों के चराने के लिए भेजा गया था। जिसके पहले विधिवत गो माता की पूजा हुई थी। तभी से आज के दिन को गोपाष्टमी के पर्व के तौर पर मनाया जाता है। गोपूजन के बाद धर्मसंघ के महामंत्री पं. जगजीतन पांडेय ने उपस्थित गो सेवकों के समूह को संबोधित करते हुए कहा कि गाय सर्वसुख प्रदान करने वाली है। गाय का अवतार ही सर्वकल्याणार्थ हुआ है।गो सेवा से ना सिर्फ सुख समृद्धि प्राप्त होता है अपितु मोक्ष के द्वार भी खुल जाते हैं। गऊ पूरे जगत की पालनहार हैं और इसी के रूप में धरती पर उनका अवतार हुआ है। गाय सबसे सरल, सहज और जनकल्याण करने वाली है।

काशी में दिया गया उगते सूर्य को अर्घ्य,छठ पूजा का हुआ समापन

वाराणसी। आस्था और संस्कार के पर्व छठ का उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ समापन हो गया है। सोमवार सुबह नदी, तालाब और नहरों के पानी में उतरकर महिलाओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया। संतान के कल्याण के लिए मुरादें मांगी। अर्घ्य देने के बाद छठी मइया के लिए बनाए गए खास ठेकुआ और प्रसाद लोगों में बांटे गए। चार दिनों तक चलने वाला यह व्रत 17 नवंबर को नहाय खाय के साथ शुरू हुआ था। इस दौरान लोग भक्ति भाव में डूबे नजर आए और नदियों के किनारे आस्था का सैलाब देखने को मिला। वाराणसी के सभी घाटों पर सूर्य निकलने से पहले ही व्रत करने वाली महिलाओं और उनके परिवार के लोग गंगा घाटों पर मौजूद हो गए। जैसे ही भगवान भाष्कर ने अपने भक्तों को दर्शन दिया लोगों ने हर–हर–महादेव के नारे के साथ ही घाटों पर अर्घ्य देना शुरू कर दिया। ये पूजा पुत्र और पति की दीर्घ आयु एवं परिवार के सुख समृद्धि की कामना के लिए की जाती है। साथ ही व्रत करने वाले लोग मानते हैं कि जो भी श्रद्धालु सच्ची निष्ठा और आस्था के साथ ये व्रत कर साक्षात सूर्य की आराधना करता है। उसकी सभी मुरादें पूरी होती हैं। सूर्य उदय के पहले ही दशाश्वमेघ घाट से लेकर रविदास घाट तक भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों की संख्या में लोगों ने मां गंगा में डुबकी लगाई। साथ ही सूर्य को अर्घ्य दिया। सूर्य सरोवर में भी लाखों की संख्या में आस्थावानों में भगवान भाष्कर की आराधना की।

अयोध्या में अक्षरयनवमी पर 14 कोसी परिक्रमा,शुभ मुहूर्त सुबह 2 बजकर 09 मिनट से 21 नवंबर की रात तक रहेगा

अयोध्या। अक्षय नवमी तिथि पर अयोध्या की 14 कोसी परिक्रमा आज रात 2 बजकर 09 मिनट से आरंभ होकर 21 नवंबर की रात 11.38 तक चलेगी। 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अयोध्या की 42 किलोमीटर परिधि को आस्था के बल पर पैदल नंगे पांव चलकर भक्त परिक्रमा करते हैं। परिक्रमा एटीएस की निगरानी में होगी जिसके लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। कार्तिक परिक्रमा व पूर्णिमा स्नान मेले पर की तैयारियां तेज हो गई हैं।पूरे मेला क्षेत्र सुरक्षा के लिहाज से जोन व सेक्टर में विभाजित किया गया हैं। मेला क्षेत्र, यातायात प्लान पर भी पुलिस की नजर है। जोन में अपर पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी और सेक्टर में पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारियों के साथ सुरक्षा पॉइंट पर पुलिस की तैनाती की जा रही है। प्रशासन के अनुसार 14 कोसी परिक्रमा 21 नवंबर की भोर 2.09 से 21 नवंबर की रात्रि 11.38 तक चलेगा।जयादातर भक्त 21 नवंबर की भोर में सरयू स्नान कर परिक्रमा आरंभ करेंगे। पंचकोसी परिक्रमा 22 नवंबर को रात 9.25 से 23 नवंबर की शाम 7.21 तक होगी। जबकि कार्तिक पूर्णिमा स्नान 26 नवंबर को दोपहर 3.11 से शुरू होकर 27 नवंबर की दोपहर 2.36 पर समाप्त होगा।इन सभी पर्वों पर अयोध्या मे 20 लाख से 30 लाख श्रद्धालुओं का आगमन होने की परंपरा है। एटीएस की निगरानी में 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा तथा कार्तिक पूर्णिमा स्नान होगा। डीएम नीतिश कुमार की अगुवाई में एडीएम सिटी सलिल पटेल और एसपी सिटी मधुबन सिंह व सिटी मैजिस्ट्रेट अरविंद द्विवेदी ने संबंधित विभाग की अधिकारियों के साथ परिक्रमा पथ का निरीक्षण किया है। परिक्रमा पथ पर कर्मियों को दूर करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।इससे पहले आई जी प्रवीण कुमार ने परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण बुधवार की शाम को किया था।कार्तिक स्नान मेला, अयोध्या के 14 कोसी परिक्रमा व पंचकोसी परिक्रमा में देश के कोने–कोने से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय जैन ने उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राम मणि शुक्ला को मेला प्रभारी बनाकर उन्हें मेला में स्वास्थ्य सेवाएं एवं स्वच्छता कार्यक्रम का संचालन करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। स्वास्थ्य विभाग ने कार्तिक स्नान मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिले के तीन बड़े अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज में 20 बेड, जिला चिकित्सालय पुरुष में 20 बेड और श्री राम चिकित्सालय में 10 बेड आरक्षित किए हैं। इसके अलावा 15 स्थान पर अस्थाई चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं।

मेला प्रभारी डॉ. राममणि शुक्ला ने बताया कंट्रोल रूम, हनुमानगढ़ी, रेलवे स्टेशन, कनक भवन, राम जन्मभूमि, राम की पैड़ी, नागेश्वर नाथ, पक्का घाट, कारसेवक पुरम, हनुमान गुफा, साकेत पेट्रोल पंप, झुनकी घाट, अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा, दशरथ महल व बंधा तिराहा पर अस्थाई चिकित्सा शिविर बनाए गए हैं। पक्का घाट पर आठ बेड का अस्थाई चिकित्सा शिविर भी बनाया गया है। किसी भी घटना दुर्घटना से निपटने के लिए मेला क्षेत्र में 10 स्थान पर हर समय एम्बुलेंस मौजूद रहेगी। यह एंबुलेंस पक्का घाट, बन्धा तिराहा, कंट्रोल रूम, साकेत पेट्रोल पंप, नागेश्वर नाथ, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, राम जन्मभूमि, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर व बूथ नंबर चार पर मौजूद रहेगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।